विषय सूची

पाठ	विषय	पृष्ठ
1	शिक्षक संदर्शिका का उपयोग कैसे करें	2
	भाग–1 : कार्यक्रम का परिचय और रूपरेखा	
2	'समृद्ध' कार्यक्रम का परिचय	4
3	उपचारात्मक शिक्षण का उद्देश्य और रूपरेखा	5
4	कक्षा 4 व 5 में उपलब्ध भाषा कालांश एवं कक्षा प्रबंधन	6
	भाग–2 : उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन	
5	उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन	7
	भाग 3 : प्रेरणा सूची, भाषा कालांश की साप्ताहिक और दैनिक योजना	
6	प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य	12
7	कक्षा 4 व 5 में भाषा कालांश विवरण	13
8	प्रथम कालांश की साप्ताहिक रूपरेखा : स्तर–1	14
9	प्रथम कालांश की दैनिक शिक्षण योजना : स्तर–1	15
10	प्रथम कालांश की मुख्य गतिविधियाँ : स्तर–1	31
11	प्रथम कालांश की गतिविधियों का विवरण : स्तर–1	32
12	प्रथम कालांश की साप्ताहिक रूपरेखा : स्तर–2	33
13	प्रथम कालांश की दैनिक शिक्षण योजना : स्तर–2	34
14	पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षण प्रक्रिया (कालांश–2)	46
	भाग 4 : एंडलाइन	
	एंडलाइन आकलन	49

1. शिक्षक संदर्शिका का उपयोग कैसे करें

इस संदर्शिका में समृद्ध कार्यक्रम के तहत कक्षा–4 और 5 के बच्चों के साथ भाषा शिक्षण कार्य का विवरण है। इस संदर्शिका का मुख्य उद्देश्य सभी शिक्षकों को समृद्ध कार्यक्रम के 8 सप्ताह के कक्षा–प्रक्रिया की परिकल्पना करने में मदद करना एवं प्रेरणा सूची में निर्धारित दक्षताओं को प्रत्येक बच्चे द्वारा हासिल करने में सहयोग करना है। आप इस संदर्शिका का बेहतर उपयोग कर पाएँ इसके लिए संदर्शिका को कई हिस्सों में बाँटा गया है।

इस शिक्षक संदर्शिका के निम्न मुख्य भाग हैं :

- **भाग 1 : कार्यक्रम का परिचय और रूपरेखा (पृष्ठ 4 से 6 तक)**
- **भाग 2 : उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन (पृष्ठ 7 से 11 तक)**
- **भाग 3 : प्रेरणा सूची, भाषा कालांश की साप्ताहिक और दैनिक योजना (पृष्ठ 12 से 48 तक)**
- **भाग 4 : एंडलाइन (पृष्ठ 49 से 51 तक)**

भाग 1 : इस खंड में हम संदर्शिका के उपरोक्त सभी भागों को समझने का प्रयास करेंगे ताकि एक शिक्षक के रूप में हम शिक्षक संदर्शिका को बेहतर तरीके से उपयोग कर सकें।

परिचय वाले भाग में हम मुख्य रूप से यह देखेंगे कि इस शिक्षक संदर्शिका की ज़रूरत क्यों पड़ी और इसे किन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

कार्यक्रम की रूपरेखा में संक्षिप्त रूप से इस बात पर चर्चा की गयी है कि 8 सप्ताह की इस विशेष भाषा शिक्षण योजना में कक्षा 4–5 में उपचारात्मक शिक्षण हेतु किन–किन मुख्य बिन्दुओं पर काम किया जाएगा। 8 सप्ताह के दौरान भाषा शिक्षण के 2 कालांश होंगे जिसमें पाठ्यपुस्तक और डिकोडिंग के उपचारात्मक शिक्षण पर कार्य किया जाएगा। इन दोनों तरह के कार्यों के बारे में चर्चा की गई है। कार्यक्रम की रूपरेखा को पढ़कर आप भाषा के दोनों कालांश में क्या–क्या किया जाएगा तथा किन दक्षताओं का विकास किया जाएगा, इसके बारे में जान और समझ पाएँगे।

भाग 2 : उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन में मुख्य रूप से बेसलाइन/एंड लाइन आकलन और समूह निर्धारण पर बात की गयी है। साप्ताहिक आकलन और पुनरावृत्ति इस कोर्स का एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाग है जिसे समझना बेहद ज़रूरी है। कक्षा में शिक्षण कार्य से पहले इसे अच्छी तरह समझ लें।

भाग 3 : इस भाग में सर्वप्रथम प्रेरणा सूची के उपयोग और उपचारात्मक शिक्षण के अपेक्षित दक्षताओं पर बातचीत की गई है। इसके बाद, भाषा शिक्षण की कार्यक्रम की योजना में हम मुख्य रूप से 8 सप्ताह की व्यापक शिक्षण योजना, अलग–अलग साप्तहिक शिक्षण योजना और किसी एक सप्ताह में हर दिन दोनों कालांशों में किस तरह की शिक्षण योजना होगी, इस पर चर्चा करेंगे। सभी शिक्षक साथियों से अनुरोध है कि इस भाग को ध्यान से देखें और समझें क्योंकि इसी भाग से हमें यह पता चलेगा कि हर दिन कक्षा–कक्ष में किस तरह की गतिविधियों का संचालन करना है और किस–किस तरह की सहायक शिक्षण सामग्रियों का उपयोग करना है।

भाग 4 : इस भाग में आप साप्ताहिक आकलन और कक्षा के अंत मे किए जाने वाले एंडलाइन आकलन के बारे में समझेंगे।

उम्मीद है कि स्कूल खुलते ही आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका भी आप सभी को मिल जाएगी। आप गतिविधियों को बेहतर तरीके से करने के लिए आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका कक्षा–1, 2 और 3 का भी उपयोग कर सकते हैं।

नोट : इस संदर्शिका के विभिन्न पृष्ठों के निचले हिस्से पर QR कोड्स दिए गए हैं। इन्हें स्कैन करें और प्रभावी शिक्षण प्रक्रिया के लिए इस्तेमाल में लाएँ। इनमें, सहज पुस्तकें, प्रेरणा सूचि आदि शिक्षण योजना से संबंधित अलग–अलग सामग्री हैं। QR कोड्स की सूची इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठ पर दी गई हैं।

इस संदर्शिका में 'शिक्षक' शब्द का प्रयोग, शिक्षिका और शिक्षक दोनों के लिए किया गया है।

F2Z2E3

2. 'समृद्ध' कार्यक्रम का परिचय

हम सभी जानते हैं कि इस साल कोरोना वायरस के फैलने के कारण हमारा सामान्य जीवन कई स्तरों पर प्रभावित हुआ है। इस अभूतपूर्व संकट ने देश के सभी शैक्षिक संस्थानों के सामने ऐसी चुनौती खड़ी कर दी जो शायद ही हमने कभी देखी और सुनी हो। मार्च 2020 के अंतिम सप्ताह से ही देशव्यापी लॉकडाउन के कारण अन्य संस्थानों की तरह ही देश भर के शैक्षिक संस्थान भी बंद करने पड़े।

उत्तर प्रदेश भी देशव्यापी लॉकडाउन का हिस्सा बना और यहाँ के शैक्षिक संस्थान भी उन्ही चुनौतियों से गुज़रने लगे जिनका कि पूरा देश ही सामना कर रहा था। मार्च के महीने में बंद हुए हमारे स्कूल महीनों तक खुल ही नहीं पाए।

प्राथमिक विद्यालयों में लंबी स्कूलबंदी की वजह से बच्चों के पढ़ने–लिखने की प्रक्रिया व्यापक तौर पर प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई। इस स्कूलबंदी के दौरान बच्चों के शैक्षिक विकास की प्रदेशव्यापी कारगर योजना भी नहीं बन पाई। हालाँकि शिक्षा विभाग और हमारे उत्साही शिक्षकों ने कुछ प्रयास किये, फिर भी प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए नियमित स्कूलों की कमी को इस तरह के कार्य पूरा नहीं कर पाते। निःसंदेह इस विशेष परिस्थिति में बच्चों के अधिगम हानि (Learning Loss) के कारण अधिगम स्तरों में भी हुई होगी।

अधिगम स्तर में आने वाली गिरावट को सुधारने के लिए और बच्चों को उनके कक्षा के अधिगम स्तर तक पहुँचाने के लिए हमें इस वर्ष बहुत कम समय मिलने वाला है। इस कम समय में अपेक्षित लक्ष्य हासिल करने के लिए निःसंदेह हमें कुछ विशेष प्रयास करने होंगे। इसी विशेष प्रयास के तहत उत्तर प्रदेश सरकार और समग्र शिक्षा के द्वारा मिशन प्रेरणा के तहत कक्षा 2 और 3 के लिए **'समृद्ध' कार्यक्रम** चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 2 और 3 के लिए आठ सप्ताह का विशेष 'उपचारात्मक शिक्षण' की विशेष योजना बनाई है।

3. उपचारात्मक शिक्षण का उद्देश्य और रूपरेखा

'समृद्ध' कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर उपचारात्मक शिक्षण योजना तैयार की गई हैं :

- योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण करते हुए सभी विद्यार्थियों को न्यूनतम अधिगम स्तर तक ले जाना।
- आगामी वर्ष के नए अकादमिक सत्र के लिए विद्यार्थियों को बेहतर रूप से तैयार करना।

कार्यक्रम की रूपरेखा

उपचारात्मक शिक्षण की यह विशेष योजना कुल 8 सप्ताहों में पूरी की जाएगी। प्रतिदिन कुल 2 कालांशों में बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में इसके लिए कक्षा–4 और कक्षा–5 के सभी बच्चों का बेसलाइन आकलन किया जाएगा जिसके आधार पर प्रत्येक बच्चे का स्तर निर्धारित किया जाएगा तथा उसके स्तर के अनुरूप दो समूहों में बाँटकर शिक्षण कार्य किया जाएगा।

साप्ताहिक आकलन के द्वारा बच्चों के सीखने की उपलब्धि की प्रगति का अवलोकन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जो विद्यार्थी पीछे रह जाएँगे, उनके लिए विशेष अभ्यास कार्य और पुनरावृत्ति की योजना भी रखी जाएगी ताकि वे भी अपेक्षित अधिगम स्तरों को प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम की रूपरेखा को निम्न डायग्राम से भी समझा जा सकता है।

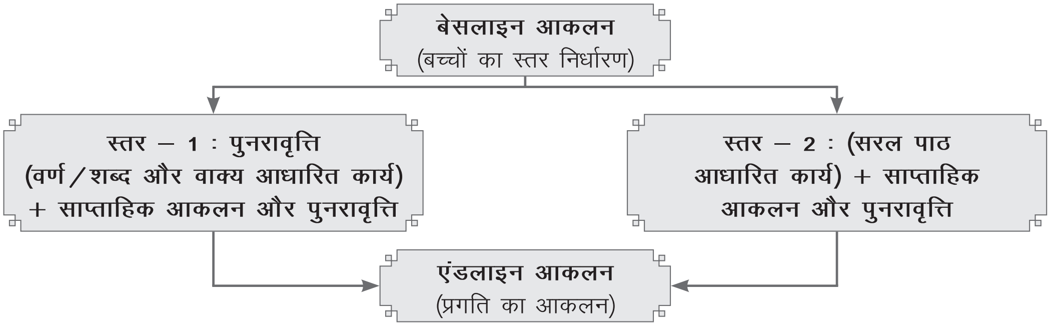

8 सप्ताह के इस उपचारात्मक शिक्षण योजना की शुरुआत के पहले स्कूल खुलते ही बच्चों के साथ एक सप्ताह तक उत्साहवर्धक गतिविधियाँ और बेसलाइन आकलन करने की योजना है। इसे हमने शून्य सप्ताह का नाम दिया है। इस शून्य सप्ताह में शिक्षक, बच्चों से रूबरू होंगे और वे कुछ खेलों, गतिविधियों और अन्य क्रियाओं के द्वारा बच्चों को सहज करने का काम करेंगे। इसी शून्य सप्ताह में शिक्षक, बच्चों का बेसलाइन आकलन करेंगे ताकि वे बच्चों के वास्तविक अधिगम स्तर से परिचित हो सकें और उसी के आधार पर अपनी शिक्षण योजनाओं का कक्षा–कक्ष में क्रियान्वयन करें।

नोट : शून्य सप्ताह की गतिविधियों के लिए आप कक्षा–1 की संदर्शिका के पाठ–6, पृष्ठ–9 को देख सकते हैं।

उपचारात्मक शिक्षण योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, चित्र चार्ट, पोस्टर, सहज पठन पुस्तिका आदि जैसी शिक्षण सामग्रियों का उपयोग करेंगे।

समृद्ध कार्यक्रम के दौरान कक्षा में दो तरह के शिक्षण कार्य होंगे— पहला, कक्षा के अनुरूप मौखिक भाषा विकास से जुड़े कार्य। दूसरा, स्तरानुसार उपचारात्मक शिक्षण जिसमें कक्षा—4 और कक्षा—5 के बच्चों को दो स्तरों में बाँटकर कार्य उदाहरण के तौर पर कक्षा चार के बच्चे का बेसलाइन आकलन करने के बाद पता चला कि वह कुछ वर्ण पहचान पाता है यानि स्तर एक पर है तो यहाँ कालांश में लगभग 40 मिनट वह स्तर एक के अनुसार वर्ण/शब्द पहचान पर कार्य करेगा।

उम्मीद है कि इस उपचारात्मक शिक्षण योजना के सफल क्रियान्चयन के बाद सभी बच्चे अपेक्षित अधिगम स्तर को प्राप्त कर पाएँगे और अगली कक्षा के लिए मजबूत आधार बना पाएँगे।

4. कक्षा 4 व 5 में उपलब्ध भाषा कालांश एवं कक्षा प्रबंधन

कक्षा 4 व 5 में भाषा शिक्षण हेतु 40—40 मिनट के 2 कालांश उपलब्ध हैं जिसमें प्रथम कालांश में उपचारात्मक शिक्षण अनुसार शिक्षण किया जाएगा तथा द्वितीय कालांश में पाठ्यपुस्तक कलरव आधारित शिक्षण किया जाएगा। आइए, इसे दिए गए चित्र के माध्यम से समझते हैं।

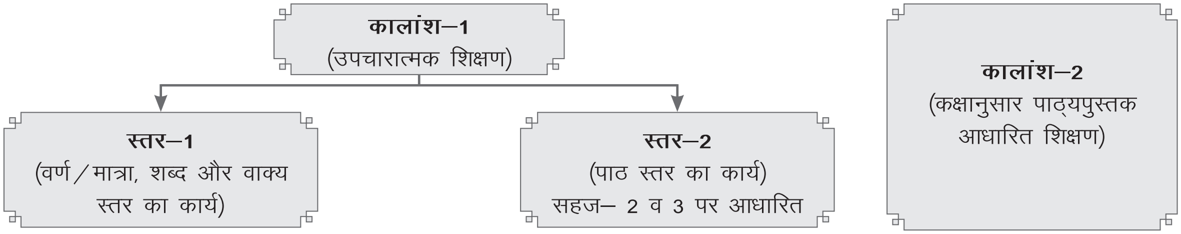

कक्षा—कक्ष प्रबंधन : शिक्षक प्रथम कालांश में कक्षा 4 व 5 के सभी बच्चों को स्तर के आधार पर अलग—अलग समूह में बैठाएँगे। कक्षा 4 के शिक्षक स्तर—1 के बच्चों के साथ एक कक्षा में तथा कक्षा 5 के शिक्षक स्तर—2 के बच्चों के साथ अन्य कक्ष में शिक्षण गतिविधियाँ संदर्शिका के अनुसार कराएँगे। विद्यालय में शिक्षक या कक्ष के अभाव में दोनों कक्षाओं को दो अलग—अलग समूहों (स्तर— 1 व 2) में बैठकर शिक्षण किया जाएगा।

डिकोडिंग किसे कहते है?

अक्षर और ध्वनि के संबंध के आधार पर किसी शब्द को प्रिंट से ध्वनि में बदल कर उच्चारित करने की क्षमता को डिकोडिंग कहते हैं। इस चरण में किसी शब्द के अलग—अलग अक्षरों की ध्वनियों को पहचानना, ध्वनियों को आपस में जोड़ना, पूरे शब्द को एक साथ उच्चारित करना (या पढ़ना) और उसका अर्थ समझना, (यदि वह शब्द पहले ज्ञात है) आदि प्रक्रियाएँ होती हैं।

5. उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन

आकलन कक्षा–कक्ष में शिक्षण प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। आकलन ही वह प्रक्रिया है जिससे एक तरफ शिक्षक को यह पता चलता है कि उसके विद्यार्थी कक्षा–कक्ष में कितना सीख पा रहे हैं और अपनाई जा रही शिक्षण प्रक्रिया कितनी कारगर है। एक बेहतर आकलन, शिक्षक को ठहरकर सोचने का मौका देता है कि उसे उसकी शिक्षण प्रक्रिया में कौन से बदलाव करने ज़रूरी हैं।

8 सप्ताह के इस विशेष उपचारात्मक शिक्षण योजना में भी आकलन की व्यवस्था की गयी है जिससे शिक्षक अपनी शिक्षण योजनाओं में बदलाव करते हुए, बच्चों को कैसे बेहतर ढंग से सिखाया जाए इसका अवसर देते हुए, बच्चों का बेहतर ढंग से सीखना सुनिश्चित कर सकते हैं।

उपचारात्मक शिक्षण योजना में आकलन को तीन मुख्य चरणों में बाँटा गया है।

बेसलाइन आकलन → **साप्ताहिक आकलन और पुनरावृत्ति** → **एंडलाइन आकलन**

बेसलाइन आकलन

कार्यक्रम के प्रारंभ में शून्य सप्ताह के दौरान कक्षा–4 और 5 के सभी बच्चों का आकलन किया जाएगा। इस आकलन के द्वारा शिक्षक बच्चों के वास्तविक अधिगम स्तर को जान पाएँगें। वास्तविक अधिगम स्तर की जानकारी के बाद ही एक बेहतर शिक्षण योजना बनाई जाएगी।

बेसलाइन आकलन के लिए निम्न प्रक्रियाओं का पालन करना होगा।

- कक्षा 4 और 5 के बच्चे का आकलन मुख्य रूप से वाक्य पठन पर आधारित होगा।
- आकलन के लिए एक जाँच प्रपत्र तैयार किया गया है। इसमें एक छोटा पाठ है। ये शब्द कक्षा–2 के अधिगम स्तर को पाठ है। बच्चों के स्तर को ध्यान में रखकर इस पाठ को तैयार किया गया है।
- इस आकलन के आधार पर बच्चों के डिकोडिंग स्तर का निर्धारण किया जाएगा। कक्षा 4–5 के सभी बच्चों का आकलन दिए गए टूल का उपयोग करके किया जाएगा।
- डिकोडिंग कार्य को स्तर निर्धारण हेतु आधार माना गया है– स्तर 1 के साथ वर्ण/मात्रा शब्द और वाक्य पर काम होगा जबकि स्तर 2 के साथ सरल पाठ स्तर पर काम होगा।

बेसलाइन आकलन कैसे करें?

इस आकलन के लिए बच्चों को सहज बनाना ज़रूरी है। आप बच्चों का सीधे आकलन ना करें। प्रत्येक बच्चे के साथ थोड़ी बातचीत कर उसे सहज महसूस करवाएँ।

- बेसलाइन आकलन के लिए आपको प्रपत्र दिये गए हैं –
  – **पाठ कार्ड** : बच्चों से पाठ पढ़वाएँ। इस संदर्शिका के आखरी पृष्ठ पर भी पढ़ने के लिए पाठ कार्ड दिया गया है। आप इसे फाड़ कर रख लें और आकलन के दौरान बच्चों को पढ़ने के लिए दें।
  – **स्कोरिंग प्रपत्र** : अगले पृष्ठ पर स्कोरिंग प्रपत्र है। इस प्रपत्र में प्रत्येक बच्चे का प्रत्येक शब्द के अनुसार सही/गलत लिखें।
- बेसलाइन आकलन के लिए दिए पाठ कार्ड से बच्चे को शब्द पढ़ने को कहें।
- बच्चे कार्ड से पढ़ेंगे और आप 'स्कोरिंग प्रपत्र' में नोट करेंगे। शब्द कार्ड और स्कोरिंग प्रपत्र में एक ही तालिका है।
- सीधे पाठ कार्ड से जाँचने से पूर्व बच्चों को बॉक्स में दिया गया वाक्य **(यह मदन की साइकिल है।)** को पढ़कर बताएँ कि उन्हें किस तरह पढ़ना है।
- किसी 'शब्द' को पूरा एक साथ पढ़ना सही माना जाएगा। शब्द के सिर्फ अक्षरों को पहचानना शब्द पठन नहीं माना जाएगा। सही पढ़े गए शब्द के नीचे '1' लिखें।
- जब बच्चा कोई गलत शब्द पढ़े तो उस शब्द के नीचे '0' का निशान लगा दें। अगर बच्चा किसी शब्द पर पाँच सैकेंड से ज्यादा देर तक अटक जाता है, तो उसे आगे के शब्द पढ़ने को कहें। अटके शब्द को गलत मानें।
- अगर बच्चा पहली पंक्ति का एक भी शब्द नहीं पढ़ पाता है तो उसे आगे पढ़ने से रोक दें। उसकी उपलब्धि में '0' लिख दें।
- अगर कोई बच्चा पहले गलत पढ़ता है और फिर उसे वापस सही पढ़ता है तो इस शब्द को सही मानें। अगर आपने '0' लिख दिया था तो उसे '1' बना दें। सही पढ़े गए शब्दों की अंतिम गिनती करें।
- अंत में, स्कोरिंग प्रपत्र में दिए गए खाने में सही पढ़े गए शब्दों की संख्या यानि '1' गिनकर लिखें।

यह मदन की साइकिल है।

पाठ कार्ड

रोहित के घर के सामने एक बगीचा था। उसमें कई पेड़ लगे थे। रोहित रोज बगीचे में खेलने जाता था। उसके दोस्त भी खेलने आते थे। वे फुटबॉल खेलते थे।

एंडलाइन के लिए नोट : सबसे पहले बच्चों के नामों को उसी क्रम में लिख कर रख लें जैसा आपने बेसलाइन में रखा था। अगर आपने 'सुमन' को पाँचवें क्रम पर आकलन किया है तो एंडलाइन में भी उसी क्रम पर उसका नाम लिखें। आकलन की बाकी प्रक्रिया बेसलाइन की तरह ही होगी।

पाठ कार्ड स्कोरिंग प्रपत्र (बेसलाइन)

क्रम	बच्चे का नाम	कक्षा	रोहित	के	घर	के	सामने	एक	बगीचा	था।	उसमें	कई	पेड़	लगे	थे।	रोहित	रोज	बगीचे	में	खेलने	जाता	था।	उसके	दोस्त	भी	खेलने	आते	थे।	वे	फुटबॉल	खेलते	थे।	सही पढ़े गए शब्दों के अंकों का योग	बच्चे का स्तर
1																																		
2																																		
3																																		
4																																		
5																																		
6																																		
7																																		
8																																		
9																																		
10																																		
11																																		
12																																		
13																																		
14																																		
15																																		
16																																		
17																																		
18																																		
19																																		
20																																		

पाठ कार्ड स्कोरिंग प्रपत्र (बेसलाइन)

क्रम	बच्चे का नाम	कक्षा	रोहित	के	घर	के	सामने	एक	बगीचा	था।	उसमें	कई	पेड़	लगे	थे।	रोहित	रोज	बगीचे	में	खेलने	जाता	था।	उसके	दोस्त	भी	खेलने	आते	थे।	वे	फुटबॉल	खेलते	थे।	सही पढ़े गए शब्दों के अंकों का योग	बच्चे का स्तर
21																																		
22																																		
23																																		
24																																		
25																																		
26																																		
27																																		
28																																		
29																																		
30																																		
31																																		
32																																		
33																																		
34																																		
35																																		
36																																		
37																																		
38																																		
39																																		
40																																		

नोट : अगर बच्चों की संख्या ज्यादा हो तो आप इसी तरह का प्रपत्र तैयार कर उसमें बच्चों की उपलब्धि को नोट करें।

आकलन के बाद बच्चों का स्तर निर्धारण कैसे करें?

सभी बच्चों के आकलन के बाद उसकी उपलब्धि के अनुसार दो स्तरों में रखना है। स्तर के अनुसार उन्हें दो समूहों में रखा जाएगा। स्तर निर्धारण के लिए नीचे दी गई तालिका देखें–

बच्चों की उपलब्धि	निर्धारित स्तर	निर्धारित स्तर के अनुसार शिक्षण कार्य
15 या उससे कम शब्द पढ़ पाना	स्तर 1	जो बच्चे 15 शब्द या इससे कम पढ़ पाएँगे, उनके साथ स्तर 1 की गतिविधियाँ की जाएगी जिसमें प्रमुख रूप से वर्ण/मात्रा दोहरान, शब्द पठन और वाक्य पठन पर कार्य किया जाएगा। इन बच्चों को समूह 1 में रखा जाएगा।
16 और इसके अधिक शब्द पहचान पाना	स्तर 2	जो बच्चे 16 या अधिक शब्द पहचान पाएँगें, उनके साथ स्तर 2 की गतिविधियाँ की जाएगी जिसमें मुख्य रूप से सरल पाठ पर कार्य किया जाएगा। इन बच्चों को समूह 2 में रखा जाएगा।

उपर्युक्त विवरण के आधार पर स्कोरिंग प्रपत्र के अंतिम खाने 'स्तर' के बच्चों की उपलब्धि का स्तर लिखें। स्तर निर्धारण आपके लिए कक्षा में उपचारात्मक डिकोडिंग शिक्षण की तैयारी का पहला कदम है।

आइए, एक बार फिर से पूरी प्रक्रिया को समझ लें :

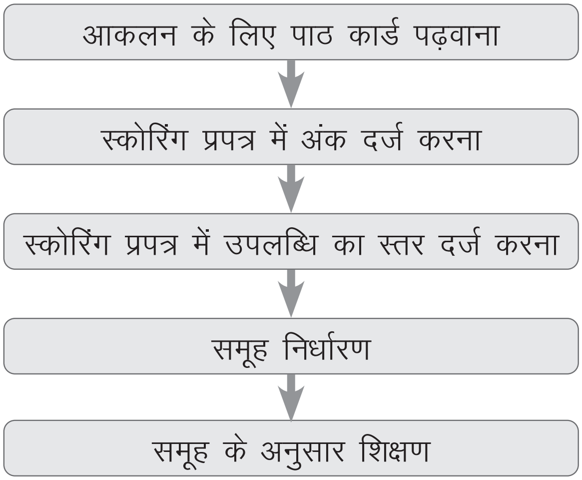

आठ सप्ताह के शिक्षण कार्य के बाद इन्हीं बच्चों का पुनः आकलन किया जाएगा और जो बच्चे उपलब्धि स्तर में पीछे होंगे, उन्हें आगे के शिक्षण के दौरान विशेष मदद और समय दिया जाएगा।

6. प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य

आपके विद्यालय में सभी कक्षाओं के लिए प्रेरणा सूची दी गई हैं। कक्षा में आप प्रेरणा सूची की दक्षताओं को ध्यान में रखकर निर्धारित गतिविधियों का आयोजन करते हैं।

आठ सप्ताह के उपचारात्मक शिक्षण में यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हम बच्चों की आधारभूत दक्षताओं को प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर कार्य करने वाले हैं। इसका मतलब यह हुआ कि स्तर–1 के बच्चों के लिए कक्षा–2 की प्रेरणा सूची की डिकोडिंग से जुड़ी कुछ मुख्य दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा।

उसी तरह, स्तर–2 के बच्चों के साथ भी कक्षा–3 और कक्षा–4 की प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य होगा। इन दक्षताओं को निम्न रूप में व्यवस्थित करके एक अधिगम लक्ष्य के रूप में रखा गया है:

कक्षा 4 व 5 (स्तर–1)	कक्षा 4 व 5 (स्तर–2)
• हिंदी वर्णमाला के सभी वर्णों/अक्षरों और मात्राओं की पहचान कर सकेंगे। • वर्ण/अक्षर से सरल शब्द बनाकर पढ़ और लिख सकेंगे। • सरल वाक्यों और छोटे पाठों को पढ़ सकेंगे। • किसी चित्र कहानी तथा परिवेशीय विषय वस्तुओं व घटनाओं को अपनी भाषा में व्यक्त कर सकेंगे।	• छोटी कहानी को उचित उतार–चढ़ाव के साथ पढ़ सकेंगे। • छोटी कहानियों को पढ़कर अपने शब्दों में सुना सकेंगे। • छोटी कहानियों को पढ़कर उस पर आधारित साधारण प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे। • किसी चित्र कहानी तथा परिवेशीय विषय वस्तुओं व घटनाओं को अपनी भाषा में व्यक्त कर सकेंगे।

कक्षा स्तर के प्रेरणा सूची देखने के लिए नीचे दिए गए QR Code को स्कैन करें।

कक्षा–1	कक्षा–2	कक्षा–3	कक्षा–4	कक्षा–5

ध्यान देने योग्य बातें:
द्वितीय कालांश में कक्षा–स्तर की सामग्री के साथ मौखिक भाषा विकास से जुड़ी प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य होगा। मगर इन गतिविधियों पर कार्य करते समय पिछली कक्षा की दक्षताओं के दोहरान पर जोर दें।

7. कक्षा 4 व 5 में भाषा कालांश विवरण

कक्षा 4 और 5 में भाषा शिक्षण के लिए दो–दो कालांश होंगे। पहला कालांश उपचारात्मक शिक्षण के लिए होगा जिसमें बच्चों को दो अलग–अलग समूहों में बाँट कर कार्य करवाया जाएगा। दूसरा कालांश पाठ्यपुस्तक पर आधारित शिक्षण कार्य के लिए होगा। इन दोनों कालांशों के बारे में नीचे दी गई तालिका के माध्यम से समझते हैं :

गतिविधि	कालांश–1 (उपचारात्मक शिक्षण)	
	स्तर–1 आधारित शिक्षण	स्तर–2 आधारित शिक्षण
डिकोडिंग/ पठन कार्य	• वर्ण एवं मात्रा पहचान पर कार्य • ब्लेंडिंग पर कार्य • शब्द और वाक्य पठन	• कविता और कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाना • कविता/कहानी को बच्चों द्वारा पढ़ना और पढ़कर चर्चा करना • चर्चा के माध्यम से कविता/कहानी को बच्चों के अनुभव से जोड़ना • पाठ पर आधारित कई गतिविधियाँ
लेखन कार्य	• सिखाए जाने वाले वर्ण/अक्षर उच्चारित करते हुए कॉपी में लिखना • ग्रिड से शब्द बनाकर लिखना और पढ़ना • अन्य शब्द/वाक्य आधारित लेखन कार्य	• कविता/कहानी पर आधारित पात्रों, निष्कर्ष व विचार लिखना • कविता/कहानी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखना

गतिविधि	कालांश–2 (पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षण)
डिकोडिंग/ पठन कार्य	पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षण प्रक्रिया (कालांश–2) भाग में दी गयी प्रक्रिया अनुसार पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित कार्य
लेखन कार्य	पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित अभ्यास कार्य

शिक्षण सामग्री (कालांश–1 और 2 के लिए)
सहज–1, सहज–2, सहज–3, नोटबुक और पाठ्यपुस्तक

8. प्रथम कालांश की साप्ताहिक रूपरेखा : स्तर–1

शून्य सप्ताह के अलावा आठ सप्ताहों में प्रतिदिन किस तरह का कार्य किया जाएगा उस पर यहाँ संक्षेप में बातचीत की गई हैं। इसके साथ ही साप्ताहिक रूप से आकलन एवं पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। इस पर आगे के पाठ में विस्तार से चर्चा की गईं हैं।

सप्ताह	दिवस 1	दिवस 2	दिवस 3	दिवस 4	दिवस 5	दिवस 6
1	वर्ण मात्रा स्तर पर कार्य क, म, ल र, ह, 'ा'	स, ब, न, द, प, 'े'	त, ट, ग, च, ख 'ि'	ध, ज, य, झ, छ 'ी'	थ, श, भ, आ, ई, 'ै'	आकलन एवं पुनरावृत्ति
2	वर्ण मात्रा स्तर पर कार्य व, ड, घ, फ, इ, 'ु'	ठ,उ, ऊ, ढ, ए, 'ो'	अ, ष, ऐ, ज्ञ, त्र, 'ौ'	ओ, अं, ड़, ढ़, औ, 'ू'	ऋ, अः, ण, क्ष,	आकलन एवं पुनरावृत्ति
3	सरल शब्द और सहज–1 पर कार्य	'ा' की मात्रा के शब्द और सहज–1 पर कार्य	'ी' की मात्रा के शब्द और सहज–1 पर कार्य	'े' की मात्रा के शब्द और सहज–1 पर कार्य	'ू' की मात्रा के शब्द और सहज–1 पर कार्य	आकलन एवं पुनरावृत्ति
4	'ि' की मात्रा के शब्द और सहज–1 पर कार्य	'ु' की मात्रा के शब्द और सहज–1 पर कार्य	'ै' की मात्रा के शब्द और सहज–1 पर कार्य	'ो' की मात्रा के शब्द और सहज–1 पर कार्य	'ौ' की मात्रा के शब्द और सहज–1 पर कार्य	आकलन एवं पुनरावृत्ति
5	अनुस्वार ('ं'), 'अः', 'ृ' इत्यादि वाले शब्दों का अभ्यास सहज–1 से पढ़ने का अभ्यास					आकलन एवं पुनरावृत्ति
6	सरल वाक्यों का अभ्यास : छोटे–छोटे वाक्य पढ़ना, वाक्यों को क्रम में लगाना, शब्द लिखकर वाक्य पूरा करना इत्यादि। सहज–1 से पढ़ने का अभ्यास					आकलन एवं पुनरावृत्ति
7	सरल वाक्यों का अभ्यास : छोटे–छोटे वाक्य पढ़ना, वाक्यों को क्रम में लगाना, शब्द लिखकर वाक्य पूरा करना इत्यादि। सहज–1 से पढ़ने का अभ्यास					आकलन एवं पुनरावृत्ति
8	वाक्यों का अभ्यास : पाठ को आधार बनाकर वाक्यों से जुड़ी गतिविधियाँ सहज–1 से पढ़ने का अभ्यास					आकलन एवं पुनरावृत्ति

9. प्रथम कालांश की दैनिक शिक्षण योजना : स्तर–1

प्रथम कालांश में उपचारात्मक कार्य करने से पूर्व कक्षा–4 और 5 बच्चों के बेसलाइन आकलन के आधार पर दो समूह बनेंगे– स्तर 1 और स्तर 2।

दोनों तरह के स्तर के बच्चों के लिए अलग–अलग कार्य हैं। आगे जो दैनिक शिक्षण योजना है, वह स्तर–1 के बच्चों के साथ कार्य करने के लिए है।

आइए, इस योजना को समझने के लिए इन बिन्दुओं पर ध्यान दें:

- इस योजना को सप्ताह के 6 दिन को शिक्षण दिवस का आधार बनाया गया है। इसलिए इसे सप्ताहवार प्रस्तुत किया गया है। छठा दिन आकलन और पुनरावृत्ति के लिए है।
- इसके अगले पाठ में दी गई दैनिक योजना में 2–3 दिनों के कार्य को विस्तृत रूप से बताया गया है, आप पहले सप्ताह के आधार पर आगे कार्य करें।
- इस कार्य योजना की मुख्य गतिविधियों के बारे में अगले पृष्ठ पर बताया गया हैं। आप इसे अवश्य देख लें। ज्यादातर गतिविधियाँ शिक्षक ब्लैकबोर्ड और बच्चों के नोटबुक की मदद से आयोजित करेंगे।
- प्रथम दो सप्ताह वर्ण और मात्रा पहचान पर कार्य किया जाएगा। इसके बाद शब्द और वाक्य से जुड़े कार्य हैं, आप समय और कक्षा की स्थिति को देखते हुए इसमें बदलाव कर सकते हैं।
- कुछ मुख्य गतिविधियों के तरीके के बारे में योजना के अंत में बताया गया है।
- सहज–1 को सप्ताह तीन से काम में लिया गया है। सहज–1 पर कैसे कार्य करना हैं इसका विवरण पाठ 11, पृष्ठ संख्या 32 में दिया गया हैं।
- प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन सभी बच्चों का दिए गए दिशा–निर्देश के अनुसार आकलन व पुनरावृत्ति करें। आकलन के आधार पर बच्चों को दो समूहों में बाँट लें और उन बच्चों के साथ समय देकर कार्य करें जो अभी भी सीखने में पीछे हैं।
- गतिविधियों के दौरान सभी बच्चों की सक्रिय सहभागिता पर ध्यान दें।
- चूँकि ये बच्चे सीखने में पीछे हैं, इनको काफी प्रोत्साहन और मदद की जरुरत है। भावनात्मक स्तर पर भी इन बच्चों का ख्याल रखना, इस तरह के शिक्षण में एक अहम कार्य है।

H1C4F6

दैनिक शिक्षण योजना (प्रथम कालांश) : स्तर–1

सप्ताह : 1 (वर्ण एवं मात्राओं की पहचान संबंधी कार्य)

पहला दिन (वर्ण– क, म, ल, र, ह, मात्रा ‘ा’)

शिक्षक दिए गए वर्णों एवं मात्राओं की पहचान हेतु बच्चों के साथ निम्नलिखित गतिविधियाँ कराएँ–

क	का
म	मा
ल	ला
र	रा
ह	हा

1. आज सिखाए जाने वाले वर्णों को श्यामपट्ट पर लिखें और 4–5 बार बच्चों के साथ पढ़ें।
2. ग्रिड में वर्णों के साथ मात्रा लगा कर उच्चारित करवाएँ। ग्रिड का नमूना यहाँ दिया गया है।
3. वर्ण/अक्षरों को जोड़कर अर्थात ब्लेंडिंग पर कार्य करें। शिक्षक दो से तीन शब्दों के साथ कार्य करके दिखाएँ बाकि अन्य शब्दों के साथ बच्चों को ब्लेंडिंग का अभ्यास करने को कहें और आप मदद करें।

   शब्द– कल, हल, कार, हार, माल, राम, काला, माला आदि।

क	का	र
म	ह	ल
ल	ला	र
म	ह	क

4. बच्चों को सीखे गए वर्ण पर मात्रा लगाकर अपनी कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।
5. दी गई ग्रिड के वर्णों से शब्द बनाकर पढ़ने और कॉपी में लिखने को कहें।
6. बच्चे के लेखन कार्य को जाँचें और अपनी राय दें।

नोट : ब्लेंडिंग पर कार्य करने के तरीके के लिए इस संदर्शिका के पृष्ठ 32 को देखें।

दूसरा दिन (वर्ण– स, ब, न, द, प, मात्रा ‘े’)

शिक्षक दिए गए वर्णों एवं मात्राओं की पहचान हेतु बच्चों के साथ निम्नलिखित गतिविधियाँ कराएँ–

	े
स	से
ब	बे
क	के
द	दे
म	मे
र	रे

1. आज सिखाए जाने वाले वर्णों को श्यामपट्ट पर लिखें और 4–5 बार बच्चों के साथ पढ़ें।
2. ग्रिड में वर्णों के साथ मात्रा लगा कर उच्चारित करवाएँ। ग्रिड का नमूना यहाँ दिया गया है।
3. 2–3 शब्दों के साथ ब्लेंडिंग करवाएँ। अन्य शब्दों के साथ बच्चों को ब्लेंडिंग का अभ्यास करने को कहें और आप मदद करें।

   शब्द– सब, बस, दस, बाल, नस, बन, सेब, केला, बेल, बेसन, दान, पान आदि।

4. बच्चों को सीखे गए वर्ण पर मात्रा लगाकर अपनी कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

स	द	न
ब	बे	दा
पा	ल	स
न	न	स

5. दी गई ग्रिड के वर्णों से शब्द बनाकर पढ़ने और कॉपी में लिखने को कहें।
6. बच्चे के लेखन कार्य को जाँचें और अपनी राय दें।

तीसरा दिन (वर्ण– त, ट, ग, च, ख, मात्रा 'ि')

1. आगे सिखाए जाने वाले वर्णों को श्यामपट्ट पर लिखें और 4–5 बार बच्चों के साथ पढ़ें।
2. ग्रिड में वर्णों के साथ मात्रा लगा कर उच्चारित करवाएँ। ग्रिड का नमूना यहाँ दिया गया है।
3. 2–3 शब्दों के साथ ब्लेंडिंग करवाएँ। अन्य शब्दों के साथ बच्चों को ब्लेंडिंग का अभ्यास करने को कहें और आप मदद करें।

   शब्द– खट, चट, तन, गाना, तिल, मिल, खेल, ताला, किला आदि।
4. बच्चों को सीखे गए वर्ण पर मात्रा लगाकर अपनी कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

त	ति
ट	टि
ग	गि
च	चि
ख	खि

5. दी गई ग्रिड के वर्णों से शब्द बनाकर पढ़ने और कॉपी में लिखने को कहें।
6. बच्चे के लेखन कार्य को जाँचें और अपनी राय दें।

मि	बे	न
खि	टा	ह
ल	ह	र
ना	क	ब

नोट : इस प्रकार आगे के दिवसों में भी वर्ण पहचान तथा वर्ण लेखन पर कार्य किया जाएगा।

चौथा दिन (वर्ण– ध, ज, य, झ, छ मात्रा ' ी')

1. वर्णों एवं ई की मात्रा ' ी' की पहचान हेतु निम्नलिखित शब्दों एवं वर्ण अक्षर ग्रिड का प्रयोग कर पिछले दिवस की भाँति गतिविधि कराएँ–

   शब्द– धन, जग, जय, जल, झन, जीत, तीर, घन, बीन, गाय, बेटी, छाता आदि।
2. शिक्षक मात्रा सिखाने के लिए पहले क्रमिक ग्रिड बनाएँ और फिर ग्रिड से शब्द बनाकर लिखने के लिए इस ग्रिड का उपयोग करे।

म	ही	ना	हि
छ	ल	नी	र
ली	मि	ल	न
दी	प	क	ल

पाँचवा दिन (वर्ण– थ, श, भ, आ, ई, मात्रा 'ै')

1. शिक्षक पूर्ण दिवस की भाँति दिए गए वर्णों एवं 'ऐ' की मात्रा 'ै' की पहचान हेतु निम्नलिखित शब्दों एवं वर्ण अक्षर ग्रिड का प्रयोग कर अभ्यास कराएँ–

   शब्द– आम, आग, आज, ईख, आई, बेलि, थल, थन, धान, पैदल, मैना, थैला, कैलाश, नैया आदि।

आ	प	नै	श
ग	मै	ना	ल
कै	ला	श	ज
ई	भ	क	म

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

इस सप्ताह सिखाए गए सभी वर्ण/मात्राओं को मिलाकर एक ग्रिड बना लें और सभी बच्चों को उसे पढ़ने को कहें। इस आकलन के आधार पर उन बच्चों की पहचान कर लें जो अभी भी कई वर्णों और मात्राओं (आधे से भी कम) को नहीं पहचान पा रहे हैं। आप उन बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधि करें :

1. ग्रिड से वर्णों को पूछें और बच्चे बताएँ।
2. वर्ण/मात्रा का ग्रिड बनाकर मात्रा की पहचान।
3. वर्ण/अक्षर लिखने का कार्य।

सप्ताह : 2 (वर्ण एवं मात्राओं की पहचान संबंधी कार्य)

पहला दिन (वर्ण– व, ड, घ, फ, इ, मात्रा ' ु')

1. शिक्षक दिए गए वर्णों एवं मात्रा ' ु' की पहचान हेतु श्यामपट्ट पर निम्नलिखित वर्ण अक्षर ग्रिड शब्दों का प्रयोग करते हुए अभ्यास कराएँ–

   शब्द– घर, डर, इमली, पुल, तुम, फिर, डाल, कुल, फल, फीता, छुरी, डमडम, दुकान आदि।

ग्रिड

कु	फ	सु	डु
घु	ल	ना	ग
मा	ड	र	डु
व	म	धु	गी

दूसरा दिन (वर्ण– ठ, उ, ऊ, ढ, ए, मात्रा 'ो')

1. शिक्षक दिए गए वर्णों एवं मात्रा ' ो' की पहचान हेतु निम्नलिखित शब्दों एवं वर्ण अक्षर ग्रिड का प्रयोग करें–

   शब्द– पाठ, उसका, ठग, उधर, मोर, मोरी, ढलान, ऊखल, मोर, घोर, ऊन, ऊपर, होली, दिवाली, खोना, सोना आदि।

ग्रिड

उ	खो	दि	ल
स	ना	वा	ऊ
का	हो	ली	मो
ए	टा	चो	र

तीसरा दिन (वर्ण– अ, ष, ऐ, ज्ञ, त्र, मात्रा ' ौ')

1. शिक्षक दिए गए वर्णों एवं मात्रा ' ौ' की पहचान हेतु निम्नलिखित शब्दों एवं वर्ण अक्षर ग्रिड का प्रयोग करते हुए अभ्यास कराएँ–

   शब्द– अब, ऐसा, ऐनक, ज्ञानी, मित्र, धनुष, मित्र, चित्र, दौना, चौका, मौका, मौसम, अनार, अमर, मनीष, ऊषा आदि।

ग्रिड

ध	न	मौ	ला
नु	चौ	का	मि
ष	खा	ने	त्र
ध	ना	हा	ता

चौथा दिन (वर्ण– ओ, अं, ड़, ढ़, औ मात्रा– ' ू ')

1. शिक्षक दिए गए वर्णों एवं मात्रा ' ू ' की पहचान हेतु निम्नलिखित शब्दों एवं वर्ण अक्षर ग्रिड का प्रयोग करते हुए गतिविधि कराएँ–

   शब्द– ओखली, अंगूर, चूना, छूना, सुना, पूछना, औरत, पढ़ना, चढ़ना, लड़ना, पेड़, अंगद, गाढ़ा, चढ़ाई, खड़ा, पड़ा, सूरज, जूता, नाखून, भालू, तराजू आदि।

ग्रिड

अं	गू	र	ज
ग	प	श	प
द	ढ़	व	ह
चू	ना	धू	ल

पाँचवा दिन (वर्ण– ऋ, ण, क्ष, अः)

1. शिक्षक दिए गए वर्णों की पहचान हेतु निम्नलिखित शब्दों एवं वर्ण अक्षर ग्रिड का प्रयोग करें–

   शब्द– ऋण, ऋषि, पक्ष, किरण, क्षण, कक्षा, वरूण आदि।

ग्रिड

त	प	क्ष	ऋ
कि	र	ण	षि
या	ख	अ	णु

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

इस सप्ताह सिखाए गए सभी वर्ण/मात्राओं को मिलाकर एक ग्रिड बना लें और सभी बच्चों को उसे पढ़ने को कहें। इस आकलन के आधार पर उन बच्चों की पहचान कर लें जो अभी भी कई वर्णों और मात्राओं (आधे से भी कम) को नहीं पहचान पा रहे हैं। आप उन बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधि करें :

1. ग्रिड से वर्णों को पूछें और बच्चे बताएँ।
2. वर्ण/मात्रा का ग्रिड बनाकर मात्रा की पहचान।
3. वर्ण/अक्षर लिखने का कार्य।

सप्ताह : 3 (शब्द आधारित कार्य)

पहला दिन (दो वर्ण वाले शब्द)

1. शिक्षक श्यामपट्ट की सहायता से बच्चों से शब्द बनाने को कहें और शिक्षक वर्ण ग्रिड से बच्चों से शब्द बनवाएँ।
2. शिक्षक ध्वनियों का उच्चारण करेंगे तथा बच्चे उस शब्द को लिखें। फिर बच्चों से कहें कि वे शब्द पढ़कर बताएँ।

ग्रिड

क	ल	ट	क
म	ट	र	ट
न	स	च	ट
म	ह	ल	न

क ल → कल

प ल → पल

र ट → रट

3. शिक्षक बच्चों को वर्ण मिलकर पढ़ने को बोलें

न, ट → नट

ह, ट → हट

Y7Z5N8

4. शिक्षक 5–6 सरल शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर एक–एक कर बच्चों को आकर पढ़ने को कहें। अंत में, बोर्ड पर लिखें शब्दों को मिटा दें और शब्दों का श्रुतिलेखन करवाएँ।

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 1 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

दूसरा दिन ('ा' की मात्रा वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर को श्यामपट्ट से देखकर 'ा' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें– आम, नाम, काम, राम, मकान, आना, जाना, रसना
2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से आ (ा) की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें।
3. बच्चों से दो मिनट मे ा की मात्रा वाले 10 शब्द लिखने को कहें (चुनौतीपूर्ण)।

ग्रिड

म	र	ना
प	का	ना
दा	म	न

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 2 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

तीसरा दिन ('ी' की मात्रा वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर को श्यामपट्ट से देखकर 'ी' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें–

सीता, गीता, चीता, पानी, कहानी, दीवार

2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से 'ी' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें।
3. बच्चों से 2 मिनट मे परिवेश मे मौजूद 'ी' की मात्रा वाले 10 शब्द लिखने को कहें (चुनौतीपूर्ण कार्य)

ग्रिड

पा	नी	ना
दी	वा	र
ची	ता	ली

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 2 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

चौथा दिन ('े' की मात्रा वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर को श्यामपट्ट से देखकर 'े' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें– पेड़, केला, देना, सेब, नेक, अनेक, शेर, शेरनी
2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से 'े' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहेंगे।
3. बच्चों से 2 मिनट मे परिवेश मे मौजूद 'े' की मात्रा वाले 10 शब्द लिखने को कहेंगे (चुनौतीपूर्ण कार्य)

ग्रिड

शे	पे	न
बे	र	ये
टा	दे	नी

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 3 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

पाँचवा दिन (' ू ' की मात्रा वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर को श्यामपट्ट से देखकर ' ू ' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें– जून, भालू, जूता, मूली, फूल, तराजू, झूला
2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से ' ू ' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहेंगे।
3. बच्चों से 2 मिनट मे परिवेश मे मौजूद ' ू ' की मात्रा वाले 10 शब्द लिखने को कहेंगे (चुनौतीपूर्ण कार्य)

ग्रिड

शू	फू	ल
त	रा	जू
मू	ली	ला

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 3 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

इस सप्ताह सिखाए गए सभी वर्ण/मात्राओं को मिलाकर एक ग्रिड बना लें और सभी बच्चों को उसे पढ़ने को कहें। इस आकलन के आधार पर उन बच्चों की पहचान कर लें जो अभी भी कई वर्णों और मात्राओं (आधे से भी कम) को नहीं पहचान पा रहे हैं। आप उन बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधि करें :

1. ग्रिड से वर्णों को पूछें और बच्चे बताएँ। 2. वर्ण/मात्रा का ग्रिड बनाकर मात्रा की पहचान।

3. वर्ण/अक्षर लिखने का कार्य।

सप्ताह : 4 (शब्द आधारित कार्य)

पहला दिन ('ि' मात्रा वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों से 'ि' की मात्रा वाले शब्द वर्ण एवं अक्षर की मदद से बनाने को कहें– सिर, फिर, चिर, किया, दिया, पिता, शिक्षा, सिखाना
2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से 'ि' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें।

ग्रिड

क	स	चि
प	नि	ता
टी	ता	का

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 3 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

दूसरा दिन (' ु ' मात्रा वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों से ' ु ' की मात्रा वाले शब्द वर्ण एवं अक्षर की मदद से बनाने को कहें– दुकान, चुनमुन, चुलबुल, बुलबुल, काबुल, नकुल, कुरता, सकुन
2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से ' ु ' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें।

ग्रिड

का	क	हि
चा	बु	क
कि	ल	ल

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 4 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

तीसरा दिन ('ै' मात्रा वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों से 'ै' की मात्रा वाले शब्द वर्ण एवं अक्षर की मदद से बनाने को कहें– पैर, सैर, तैरना, कसैला, कैसा, वैसा, पैसा, तैलीय
2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से 'ै' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें।

ग्रिड

पै	तै	सा
सै	र	कै
टै	ना	सा

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 4 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

चौथा दिन (ो' मात्रा वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों से ' ो' की मात्रा वाले शब्द वर्ण एवं अक्षर की मदद से बनाने को कहें– कोमल, रोपना, सोहन, मोहित, मोर, शोर, चकोर, बोनस
2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से ' ो' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें।

ग्रिड

रो	सो	मो
मो	ह	न
र	न	न

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 5 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

पाँचवा दिन (ौ' मात्रा वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों से ' ौ' की मात्रा वाले शब्द वर्ण एवं अक्षर से बनाने को कहें– औरत, दौलत, कौन, शौकत, मौका, रौनक, मौन
2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से ' ौ' की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें।

ग्रिड

हौ	मौ	न
सौ	ल	ह
दा	व	त

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 5 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

अभी तक सिखाए गए 20 शब्दों की सूची बनाएँ और बच्चों से पढ़ने को कहें। इस आकलन के आधार पर उन बच्चों की पहचान कर लें जो अभी भी शब्दों को ठीक से (आधे से भी कम शब्द पढ़ पा रहे हैं) नहीं पहचान पा रहे हैं। आप उन बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधि करें :

1. वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द बनाना।
2. ग्रिड से शब्द बनाकर लिखना।
3. सहज से शब्द पठन का अभ्यास।

X3M9I7

सप्ताह : 5 (शब्द आधारित कार्य)

पहला दिन (अनुस्वार वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों के साथ अनुस्वार ('ं') वाले शब्द, वर्ण एवं अक्षर की सहायता से बनाने को कहें। जैसे– कंघा, शंख, पतंग, रंग, जंगल, पंखा, गंगा, नंदू, लंका आदि।

ग्रिड

पं	खा	रं
प	तं	ग
जं	ग	ल

2. शिक्षक बच्चों से वर्ण एवं अक्षर ग्रिड की सहायता से ('ं') की मात्रा वाले शब्द बनाने को कहें।
3. शिक्षक पाठ्यपुस्तक में से बच्चों को मात्रा ('ं') वाले शब्दों पर गोला लगाने को कहें।

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 6 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

दूसरा दिन ('अः' ध्वनि वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों के साथ 'अः' वाले शब्द वर्ण एवं अक्षर की सहायता से बनाने को कहेंगे। जैसे– अतः, प्रातः, नमः, पुनः आदि। साथ में कठिन शब्द पर भी कार्य करें।
2. शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखेंगे तथा उनमें से 'ाः' वाले शब्दों को पहचानकर बच्चों को बुलाकर गोला लगाने को कहेंगे। जैसे– मयंक, पुनः, चाँद, बेलन, अतः, नमः, रमेश, राम

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 6 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

तीसरा दिन ('ृ' ध्वनि वाले शब्द)

1. शिक्षक बच्चों को वर्ण एवं अक्षर की सहायता से 'ृ' वाले शब्द बनाने को कहेंगे। जैसे– मृग, कृपा, वृक्ष, गृह तृण, मृत, मृदा, मृदु, अमृत, पृथक आदि। साथ में कठिन शब्द पर भी कार्य करें।
2. शिक्षक निम्नलिखित अनुच्छेद को श्यामपट्ट पर लिखेंगे तथा बच्चों को 'ृ' वाले शब्दों पर गोला लगाने को कहेंगे। जैसे– सदा मृदु वचन सुन। घृणा मत कर। पशु को वृथा तंग मत कर। कृष्णा नृत्य कर।

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 7 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

चौथा दिन (संयुक्ताक्षर का अभ्यास)

1. शिक्षक दो वर्ण या अक्षरों के मध्य आने वाले आधे वर्ण की ध्वनि के उच्चारण हेतु संयुक्ताक्षर वाले परिचित शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर बच्चों के साथ अभ्यास कराएँगे। जैसे– कच्चा, मिटटी, स्याम, कुत्ता, बच्चा, पट्टी, स्वदेश, खप्पर, सच्चा, कटती, स्वीकार आदि।

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 7 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

पाँचवा दिन (संयुक्ताक्षर का अभ्यास)

1. शिक्षक चतुर्थ दिवस के अनुसार संयुक्ताक्षर वाले परिचित शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर बच्चों को अभ्यास कराएँ। जैसे– विद्या, विद्यालय, उद्यान, कृष्णा, प्रश्न, जश्न, अच्छा, क्या, गुस्सा, मुश्किल,

ज्यादा, अस्पताल, पक्का, त्यौहार, उत्सव, जल्द, अन्न।

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 7 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

अभी तक सिखाए गए 20 शब्दों की सूची बनाएँ और बच्चों से पढ़ने को कहें। इस आकलन के आधार पर उन बच्चों की पहचान कर लें जो अभी भी शब्दों को ठीक से (आधे से भी कम शब्द पढ़ पा रहे हैं) नहीं पहचान पा रहे हैं। आप उन बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधि करें : 1. वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द बनाना। 2. ग्रिड से शब्द बनाकर लिखना। 3. सहज से शब्द पठन का अभ्यास।

सप्ताह : 6 (शब्द और वाक्य आधारित कार्य)

सप्ताह 6 से 8 तक वाक्य से संबंधित पठन और लेखन कार्य होगा। इस दौरान, सहज–1 के सरल पाठ भी उपयोग में लिए जाएँगे।

पहला दिन

1. बोर्ड पर पिछले सप्ताह के 20 शब्द लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें।
2. बच्चों से गतिविधि करवाएँ।
3. दिए गए शब्दों को जोड़कर वाक्य बनाओ। मौखिक वाक्य शिक्षक बोर्ड पर लिखें। फिर सभी बच्चों के साथ पढ़ें।

सीता	**आई**	**सीता आई।**
घर	**चल**	**घर चल।**
मैं	**आई**	**मैं आई।**

4. दिए गए चित्रों की सहायता से वाक्य पूरे करो–

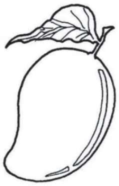
.... खाओ।

.... सूंघो।

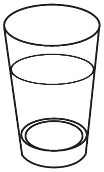
.... पी।

.... पढ़ो।

5. शब्दों को उचित क्रम मे लगाकर वाक्य बनाओ–

गई, गाय। .... हुई, बारिश। .... भौंका, कुत्ता। ....

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 8 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

दूसरा दिन (तीन शब्दों के वाक्य)

आम	मीठा	है	आम मीठा है।
राम	विद्यालय	जा	राम विद्यालय जा।
मैं	गाँव	गई	मैं गाँव गई।

1. शब्द ग्रिड से शब्द चुनकर वाक्य बनाओ–

मीठा	**मैं**	**आया**	
केला	**गया**	**नमकीन**	
दूध	**तुम**	**बर्फी**	

2. शब्दों को उचित क्रम मे लगाकर वाक्य बनाओ–

- हुई बारिश आज। .... बाजार राम गया। ....
- पढाई की मैंने। .... है मीठा आम। ....

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 8 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

तीसरा दिन (तीन शब्दों के वाक्य)

1. दिए गए शब्द ग्रिड से वाक्य बनाओ–

मेरा	**भाई**	**गया**
नाम	**घर**	**फूल**
राम	**सुन्दर**	**है**

2. दिए गए शब्दों की मदद से वाक्य बनाओ। मौखिक वाक्य शिक्षक बोर्ड पर लिखें। फिर सभी बच्चों के साथ पढ़ें।

बारिश, भालू, साइकिल, आम, बन्दर

3. शब्दों को सही क्रम में करके वाक्य बनाओ–

पेड़/ है /बरगद का .... साइकिल/ है/ मेरी ....

लाल/ है/ सेब ....

4. चित्र की जगह शब्द लिखकर वाक्य पूरा करो–

.... लाल है। 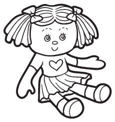 .... सुन्दर है। .... प्रतिदिन पढ़ो।

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 9 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

चौथा दिन (चार शब्दों के वाक्य)

1. दिए गए शब्दों को जोड़कर वाक्य बनाओ–
2. ब्लैकबोर्ड पर लिखकर अथवा चार्ट पर शब्दों की पर्ची बनाकर यह गतिविधि कराई जा सकती है।

क	है सुन्दर घर मेरा	मेरा घर सुन्दर है।
ख	जंगल में है शेर	जंगल में है शेर।
ग	साइकिल जा है रही	साइकिल जा रही है।

निर्देश– चित्र की उपलब्धता न होने पर अन्य उपलब्ध चित्र को देखकर वाक्य लिखो।

3. उचित क्रम करके शब्दों से वाक्य बनाओ–

बहुत शिवाजी थे वीर	
है विद्यालय मे हरियाली	
खिलौने पसंद है मुझे	

4. चित्र देखकर वाक्य लिखो –

सहज 3 (पाठ 4 का) 'भालू की बस' का चित्र : ....

सहज 3 (पाठ 13 का) 'नाव' का चित्र : ....

सहज 3 (पाठ 14 का) 'गाँव' का चित्र : ....

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 9 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

पाँचवा दिन

1. दिए गए शब्द समूह को जोड़कर क्रम ठीक करके वाक्य बनाए–

क	है पसंद हिंदी मुझे	
ख	गीता है मेरा नाम	
ग	विद्यालय हमारा है सुन्दर	
घ	हो है रही बरसात	

2. निम्नलिखित शब्द समूह से शब्द चुनकर वाक्य बनाए जिसमें शब्द की संख्या 4 होनी चाहिए। जैसे– सुंदर, मीठा, आश्चर्य, सुबह, शाम, घर, विद्यालय, खेत, कुत्ता, पालतू, गाय, दूध
3. शिक्षक बच्चों को वस्तु/जानवर/घर/विद्यालय का नाम लेंगे तथा बच्चे उनसे संबंधित चार या पाँच शब्द के एक वाक्य बनाएँगे। फिर पुनः उसी वाक्य को बच्चे अपने कॉपी पर लिखें।

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 10 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

अभी तक सिखाए गए 20 शब्दों की सूची बनाएँ और बच्चों से पढ़ने को कहें। इस आकलन के आधार पर उन बच्चों की पहचान कर लें जो अभी भी शब्दों को ठीक से (आधे से भी कम शब्द पढ़ पा रहे हैं) नहीं पहचान पा रहे हैं। आप उन बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधि करें :

1. वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द बनाना।
2. ग्रिड से शब्द बनाकर लिखना।
3. सहज से शब्द पठन का अभ्यास।

सप्ताह : 7 (वाक्य आधारित कार्य)

पहला दिन

1. शिक्षक शब्द या किसी वस्तु का चित्र दिखाकर बच्चों से वाक्य बनाने को कहें, जैसे–

(क)	शेर	शेर जंगल का राजा होता है। शेर दहाड़ता है।
(ख)	सेब	मुझे सेब खाना बहुत पसंद है। सेब लाल रंग का होता है।

2. शिक्षक छात्रों को कुछ क्रियाएँ करके दिखाएँ तथा उस क्रिया पर बच्चों से वाक्य बनवाएँ जैसे–

क्रियाएँ	**वाक्य**
उछलना	आप उछल रहे हैं।
हँसना	आप हँस रहे हैं।

3. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 11 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

दूसरा दिन (वाक्य लिखने का अभ्यास)

1. शिक्षक बच्चों को किसी जानवर, फूल, पक्षी, या वस्तु का चित्र दिखाकर वाक्य लिखने को कहें, जैसे–

चित्र	**वाक्य**
बन्दर	बन्दर केला खाता है।
मोर	मोर नाचता है।

2. शिक्षक कक्षा–कक्ष की वस्तुओं के माध्यम से बच्चों से वाक्य लिखने को कहें, जैसे–

वस्तु	**वाक्य**
पंखा	पंखा चल रहा है।
खिड़की	खिड़की खुली हुई है।
दरवाज़ा	मेरी कक्षा का दरवाज़ा नीले रंग का है।

R6W5G5

3. शिक्षक छात्रो को श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखेंगे और उनकी मदद से अधूरे वाक्यों को पूर्ण करने को कहें। जैसे– होली, पेड़, साइकिल, गाजर, तोता।

- मेरे घर में नीम का .... है।
- मैं .... से स्कूल पढ़ने जाता हूँ।
- रंगों का त्यौहार .... है।

4. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 12, 13 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

तीसरा दिन (वाक्यों से अनुच्छेद बनाना)

1 शिक्षक बच्चों से विद्यालय के बारे में मौखिक भाषा के रूप में बातचीत करेंगे।
2 अब बच्चों से विद्यालय के बारे में वर्णन करने को कहें।
3 आगे लेखन कार्य के रूप में 5 मिनट का समय देकर बच्चों से विद्यालय के बारे में 2 वाक्य लिखने को कहें।
4 अंत में बच्चों से घर से कॉपी पर 2 वाक्य पास–पड़ोस में मौजूद जानवर (कुत्ता) पर लिखकर लाने को कहें।
5. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 14, 15 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

चौथा दिन (वाक्यों से अनुच्छेद बनाना)

1 शिक्षक बच्चों से विभिन्न त्योहारों के बारे में मौखिक भाषा के रूप में बातचीत करेंगे।
2 शिक्षक बच्चों को उनकी पसंद के त्यौहार के बारे में वर्णन करने को कहें।
3 लेखन कार्य के रूप में कुछ समय देकर बच्चों से किसी एक त्यौहार के बारे में 2 वाक्य लिखने को कहें।
4. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 16, 17 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

पाँचवा दिन (वाक्यों से अनुच्छेद बनाना)

1 शिक्षक बच्चों से उनके आस–पास पाए जाने वाले जानवरों के बारे में बातचीत करें।
2 शिक्षक बच्चों से किसी एक जानवर के बारे में वर्णन करने को कहें।
3 छात्रों को कुछ समय देकर लेखन कार्य हेतु अपने पसंद के जानवर पर 2 वाक्य लिखने को कहें।
4. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

नोट : उपर्युक्त उदाहरणों के अनुसार शिक्षक बच्चों से किसी खेल, मेले, अपने परिवार, अपने मित्र, बरसात के दिन पर कार्य करा सकते हैं।

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 18, 19 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

30 शब्दों को एक सरल पाठ बनाएँ और बच्चों को पढ़ने को कहें। इस आकलन के आधार पर उन बच्चों की पहचान कर लें जो अभी भी शब्दों को ठीक से (आधे से भी कम शब्द पढ़ पा रहे हैं) नहीं पहचान पा रहे हैं। आप उन बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधि करें : 1. सहज–1 से शब्द पठन का अभ्यास। 2. बच्चों को 20 शब्दों की सूची देकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। 3. बच्चों को सहज–1 के पाठ–1 से 5 से अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह : 8 (वाक्य आधारित कार्य)

पहला दिन

1 शिक्षक बच्चों से वस्तु दिखाकर उसके बारे में बच्चों से मौखिक रूप से बताने को कहें, उदहारण के लिए– पेन (पेन का रंग कैसा? क्या कार्य है? आकार– स्याही का रंग, किसकी है? आदि।)

2 शिक्षक पुनः बच्चों से 5 मिनट का समय देकर उस वस्तु के बारे में 2–3 वाक्य लिखने को कहें।

3 इसी प्रकार अन्य वस्तुओं जैसे– पेंसिल, किताब, कॉपी, मोबाइल, चश्मा, पंखा, गेंद, आदि के बारे में क्रमशः पहले बोलें तथा उसके बाद उन्ही वाक्यों को अपनी कॉपी पर घर से लिखकर लाने को कहें।

4\. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 20, 21 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

दूसरा दिन

1 शिक्षक बच्चों से परिवेश में मौजूद जानवर के बारे में बता कर या उसके चित्र दिखाकर बच्चों से मौखिक रूप से वर्णन करने को कहें।

2 शिक्षक पुनः बच्चों से 5 मिनट का समय देकर उस जानवर के बारे में 3–4 वाक्य लिखने को कहें।

3 इसी प्रकार अन्य पालतू जानवरों गाय, भैंस, बकरी, भेड़ आदि पर भी क्रमशः बच्चों से पहले बोलने को कहें तथा उसे बाद उन्ही वाक्यों को अपनी कॉपी पर घर से लिख कर लाने को कहें।

4\. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 22, 23 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

तीसरा दिन

1 शिक्षक बच्चों से अपने दोस्त के बारे में मौखिक रूप से बताने को कहें, उदाहरण– दोस्त का नाम, दोस्त के माता–पिता का नाम, दोस्त के भाई–बहन, गाँव का नाम, दोस्त की कक्षा, दोस्त की पसंद/नापसंद।

2 शिक्षक पुनः बच्चों से 5 मिनट का समय देकर उस जानवर के बारे में 3–4 वाक्य लिखने को कहें।

3 इसी प्रकार अन्य रिश्ते एवं नज़दीक के लोगों के बारे में भी यथा माता–पिता, मामा, चाचा, भाई, बहन आदि के बारे में बोलने को कहें। तत्पश्चात उन्ही लोंगों के बारे में घर से अपनी कॉपी पर लिखकर लाने को कहें।

4. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 24, 25 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

चौथा दिन

1 शिक्षक बच्चों के साथ मेला के दृश्य का वर्णन करें, फिर बच्चों से स्वयं के देखे हुए मेले के दृश्य का वर्णन करने को कहें, उदाहरण– मेला कैसा था? दुकानें, खिलौने, सरकस, क्या खाया? क्या खरीदा? आदि।

2 शिक्षक पुनः बच्चों से 5 मिनट का समय देकर स्वयं के देखे हुए मेले का वर्णन अनुभव के रूप में लिखने को कहें।

3 इसी प्रकार बच्चों से अपना अनुभव घर से कॉपी पर लिखकर लाने को कहें– बच्चे जिस किसी विवाह, समारोह में सम्मिलित हुए हों उसका वर्णन लिख कर लाए।

4. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 26, 27 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

पाँचवा दिन

1. शिक्षक बच्चों के साथ किसी यात्रा का वर्णन करें।
2. शिक्षक इसी आधार पर बच्चों से अपने–अपने अनुभव के आधार पर यात्रा का वर्णन करने को कहें। मामा के यहाँ जाने का वर्णन, अन्य किसी महत्वपूर्ण स्थान पर जाने–आने का वर्णन।
3. बच्चों को 5 मिनट का समय देकर उसी यात्रा का वर्णन कॉपी पर लिखने को कहें।
4. बच्चों से घर से अपनी कॉपी पर किसी अन्य यात्रा का वर्णन लिखकर लाने को कहें।
4. बच्चों को पाँच शब्द वाले दो वाक्यों को श्रुतिलेख करवाएँ। (उदाहरण : मेरा घर बहुत बड़ा है। आज बहुत गरमी है।)

सहज–1 पर कार्य : पृष्ठ 28, 29 से बच्चों को शब्द पठन करवाएँ। (विवरण के लिए इस संदर्शिका का पृष्ठ 32 देखें)

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

30 शब्दों को एक सरल पाठ बनाएँ और बच्चों को पढ़ने को कहें। इस आकलन के आधार पर उन बच्चों की पहचान कर लें जो अभी भी शब्दों को ठीक से (आधे से भी कम शब्द पढ़ पा रहे हैं) नहीं पहचान पा रहे हैं। आप उन बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधि करें : 1. सहज–1 से शब्द पठन का अभ्यास। 2. बच्चों को 20 शब्दों की सूची देकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। 3. बच्चों को सहज–1 के पाठ–1 से 5 से अभ्यास करवाएँ।

A5D5I4

10. प्रथम कालांश की मुख्य गतिविधियाँ : स्तर–1

प्रथम कालांश की शिक्षण योजना में मुख्य रूप से डिकोडिंग और पठन अभ्यास से जुड़े कार्य हैं। इस कालांश के लिए साप्ताहिक रूपरेखा और दैनिक कार्य योजना तैयार किए गए हैं। संक्षिप्त में, हम प्रथम कालांश (स्तर–1) की गतिविधियों पर एक नजर डालते हैं :

वर्ण और मात्रा स्तर का कार्य : शिक्षक अपनी कक्षा के स्तर 1 के बच्चों के साथ पहले दो सप्ताह वर्ण और मात्राओं का अभ्यास कराएँगे। जिसके अंतर्गत शिक्षक प्रत्येक दिन वर्णमाला के 5 वर्णों एवं एक मात्रा की पहचान कराने के लिए गतिविधियों का प्रयोग करेंगे। कुछ मुख्य गतिविधियाँ हैं :

- शिक्षक वर्ण/मात्रा को श्यामपट्ट पर लिखकर वर्ण/मात्रा पहचान कराएँ।
- ग्रिड से मात्रा और अक्षर पहचान और शब्द बनाने का अभ्यास कराएँ।
- वर्ण/अक्षर लेखन का कार्य कराएँ।

शब्द स्तर पर कार्य : शब्द स्तर पर कार्य करने के लिए शिक्षक सरल शब्दों का अभ्यास कराएँगे। कुछ मुख्य गतिविधियाँ हैं :

- शिक्षक श्यामपट्ट के माध्यम से शब्द बनाने का अभ्यास कराएँगे।
- शिक्षक वर्ण ग्रिड से शब्द बनाने का अभ्यास कराएँगे।
- शिक्षक शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर अभ्यास कराएँगे।
- सहज–1 से शब्द पठन का कार्य।
- शब्द लेखन आधारित अन्य गतिविधियाँ।

वाक्य स्तर पर कार्य करना : वाक्य स्तर में प्रारंभ में छोटे वाक्य पढ़ने का अभ्यास करवाया जाएगा। आगे बच्चों को कुछ बड़े वाक्य और अनुच्छेद पढ़ने का अभ्यास कराएँगे। बच्चे अपने अनुभवों को कथन को मौखिक रूप से व्यक्त भी कर पाएँगे व लेखन कार्य भी कर पाएँगे। वे अनुभव पुस्तकीय भी होंगे तथा स्वयं बच्चों के जीवन से संबंधित भी होंगे। कुछ मुख्य गतिविधियाँ हैं :

- सहज–1 से वाक्यांश और वाक्य पठन का अभ्यास।
- शब्द ग्रिड, शब्द चार्ट और चित्र देखकर बच्चों को वाक्य बनाने और वाक्य पूरे करने की गतिविधि कराएँगे।
- चित्रों और ग्रिड की मदद से शब्दों को लिखकर वाक्य बनाने का कार्य करवाया जाएगा।
- परिवेशीय शब्दों के साथ बच्चों को जोड़ते हुए वाक्य स्तर तक लेकर जाएँ और नए–नए रोचक तरीके से वाक्य बनवाए जाएँगे।
- अनुमान लगाकर दिए गए शब्दों के माध्यम से वाक्य बनवाए जाएँगे।

नोट : ग्रिड के उदाहरण और ग्रिड पर कैसे कार्य करना हैं। इस पर पाठ–11 दैनिक कार्य योजना स्तर–1 में विस्तार से चर्चा की गईं हैं।

इन सभी गतिविधियों/स्तरों पर व्यवस्थित रूप से कार्य कैसे किया जाना हैं। इसकी चर्चा इस संदर्शिका के आगे के पृष्ठों में की गईं हैं।

11. प्रथम कालांश की गतिविधियों का विवरण : स्तर–1

वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द (ब्लेंडिंग) बनाने का कार्य:

बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ और उनमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर, उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बने शब्द को लिखें। फिर पहले अलग–अलग उच्चारण करके, फिर इन्हें जोड़कर उपयुक्त गति से पढ़ें। जैसे–

बा	ल	बाल

फिर, दूसरे शब्द के साथ भी यही चरण करें। इन दोनों शब्दों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़कर पढ़ें।

5–6 शब्द लें और उन्हें बोर्ड पर लिख दें फिर बच्चों को आपके साथ इन्हें पढ़ने को कहें।

कुछ बच्चों को इन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

सहज–1 से शब्द पठन पर कार्य:

4–5 शब्दों को बोर्ड पर लिखें (सीखें गए वर्ण एवं मात्रा से बने हुए) और इन्हें दो बार पढ़कर दिखाएँ। शब्द को सीधे–सीधे पढ़ें। जैसे– 'काम' इसे तोड़कर (का म) की तरह नहीं पढ़ें।

फिर बच्चों को इन्हें पढ़ने को कहें। आप बच्चों को ज़रूरत के अनुसार मदद करें।

अंत में सहज–1 में दिए गए शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

सहज–1 से वाक्य और पाठ पर कार्य:

बच्चों को एक बार पाठ पढ़कर सुनाएँ।

बच्चों को 4–5 के समूह में बाँटकर पाठ पढ़ने को कहें।
हर समूह के सदस्य एक दूसरे को पाठ पढ़कर सुनाए।

शिक्षक समूह में पठन कार्य का अवलोकन करें।

जिन बच्चों को पढ़ने में दिक्कत आ रही है, उस समूह में जाकर शिक्षक बच्चों की मदद करें।

पठन कार्य के बाद पाठ पर प्रश्नों की मदद से चर्चा करें।

एक पाठ पर 2–3 दिन कार्य करें।

12. प्रथम कालांश की साप्ताहिक रूपरेखा : स्तर–2

स्तर–2 के साथ कार्य करने के लिए सहज–2 और सहज–3 को आधार बनाया गया है। सहज के पाठों पर पढ़ने का अभ्यास और लेखन कार्य होंगे।

सप्ताह	दिवस 1	दिवस 2	दिवस 3	दिवस 4	दिवस 5	दिवस 6
1	सहज–2, पाठ–9 'बरसात का मौसम'	'बरसात का मौसम' कहानी पर चर्चा, प्रश्न, निष्कर्ष	सहज–2, पाठ–11 'दशहरा का मेला'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न, निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–1 'तोता' कविता	आकलन एवं पुनरावृत्ति
2	कविता पर गतिविधि, चर्चा, प्रश्न, निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–2 'सर्र, सर्र, सर्र'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न, निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–3 'वाह रे चोर'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न, निष्कर्ष	आकलन एवं पुनरावृत्ति
3	सहज–3, पाठ–4 'भालू की बस'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–5 'सियार और ऊँट'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–6 'गाजर और गाय'	आकलन एवं पुनरावृत्ति
4	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–7 'गौरैया फुर्र'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–8 'राजू और काजू कविता'	कविता पर गतिविधि चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	आकलन एवं पुनरावृत्ति
5	सहज–3, पाठ–9 'पोधों से लगाव'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–10 'दोस्त का पत्र'	पत्र लेखन पर पर चर्चा, पत्र लेखन अभ्यास	सहज–3, पाठ–11 'आम दिवस'	आकलन एवं पुनरावृत्ति
6	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–12 'गुफा'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–13 'नाव की सवारी'	यात्रा पर चर्चा वर्णन, अनुभव कथन	आकलन एवं पुनरावृत्ति
7	सहज–3, पाठ–14 'मेरा गाँव'	गाँव पर चर्चा, लेखन का अभ्यास विद्यालय, बगीचा आदि	सहज–3, पाठ–15 'लोभ'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–16 'बोलती चुटकी'	आकलन एवं पुनरावृत्ति
8	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–17 'लायक कौन' एकांकी	पात्रों पर आधारित रोल/प्ले, चर्चा, निष्कर्ष	सहज–3, पाठ–18 'शेर और खरगोश'	कहानी पर चर्चा, प्रश्न एवं निष्कर्ष एवं कहानी लेखन	आकलन एवं पुनरावृत्ति

नोटः स्तर–2 के समूह में प्रथम सप्ताह सहज–2 के पाठ में से दो कहानियों एवं एक कविता पर आधारित कार्य किया जाएगा, दूसरे सप्ताह से आठवें सप्ताह तक सहज–3 के पाठ पर आधारित कार्य किया जाएगा।

13. प्रथम कालांश की दैनिक शिक्षण योजना : स्तर–2

स्तर–2 की दैनिक शिक्षण योजना की गतिविधियों को समझने के लिए इन बिन्दुओं पर ध्यान दें:

- इस योजना को सप्ताह के 6 दिन को शिक्षण दिवस का आधार बनाया गया है। इसलिए इसे सप्ताहवार प्रस्तुत किया गया है। छठा दिन आकलन और पुनरावृत्ति के लिए है।
- नीचे दी गई दैनिक कार्य योजना की तालिका में प्रत्येक दिन की गतिविधि दी गई हैं। आप इसे अवश्य पढ़ें।
- छठे दिन सभी बच्चों को दिए गए दिशा–निर्देश के अनुसार आकलन करें। आकलन के आधार पर बच्चों को दो समूहों में बाँट लें और उन बच्चों के साथ समय देकर कार्य करें जो अभी भी सीखने में पीछे हैं।
- गतिविधियों के दौरान सभी बच्चों की सक्रिय सहभागिता पर ध्यान दें।
- चूँकि ये बच्चे सीखने में पीछे हैं, इनको काफी प्रोत्साहन और मदद की जरुरत है। भावनात्मक स्तर पर भी इन बच्चों का ख्याल रखना, इस तरह के शिक्षण में एक अहम कार्य है।
- कार्य योजना में सहज–2 एवं 3 को आधार बनाकर पठन एवं लेखन कार्य करवाए जाएँगे। अगर सहज की प्रतियाँ सभी बच्चों के लिए उपलब्ध नहीं हैं तो आप बच्चों के समूह बना लें। फिर प्रत्येक समूह में कुछ प्रतियाँ दें और बच्चों से पठन कार्य करवाएँ।
- अगर सहज बच्चों के लिए उपलब्ध नहीं है तो शिक्षक प्रति से सहज की कहानी बोर्ड पर लिखें और उससे पठन लेखन की गतिविधि करवाएँ।
- यह ज़रूरी है कि बच्चों को सीधे–सीधे पढ़ने का मौका दिया जाए।

दैनिक शिक्षण योजना (प्रथम कालांश) : स्तर–2

सप्ताह : 1 (सहज–2 पर कार्य)

पहला दिन (सहज–2 का पाठ 9 'बरसात का मौसम')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'बरसात का मौसम' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे बरसात के मौसम में क्या होता है? क्या तुम्हें बरसात का मौसम पसंद है? क्यों? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

   क) बारिश के मौसम मे तुम क्या–क्या करते हो?

   ख) उन जानवरों के नाम लिखो जिन्हें तुमने अपने आसपास देखा है?

दूसरा दिन (सहज–2 का पाठ 9 'बरसात का मौसम')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'बरसात के मौसम' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

1. बरसात के मौसम से जुड़ी कोई घटना लिखो।
2. अगर बारिश न हो तो क्या परेशानी हो सकती है? लिखो।

तीसरा दिन (सहज–2 का पाठ 11 'दशहरा का मेला')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'दशहरा का मेला' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे मेला में क्या होता है? क्या तुम्हें मेला में जाना पसंद है? क्यों? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें ।

   क) मेला देखने कौन–कौन गए थे?

   ख) दशहरा के दिन किसका पुतला जलता है?
4. शिक्षक बच्चों को यह पता लगाने को कहें कि दशहरा क्यों मनाया जाता है, बच्चे अपने घर के बड़े लोगों से पता करके उत्तर प्राप्त कर सकते हैं।

चौथा दिन (सहज–2 का पाठ 11 'दशहरा का मेला')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'दशहरा का मेला' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

क) मेले में क्या–क्या मिलता है?

ख) तुम अब तक किस–किस मेले में गए हो?

ग) 'दशहरा का मेला अन्य मेलों से अलग है कैसे?

घ) आपने जो मेला देखा है। उसका वर्णन कीजिए– (क्या–क्या देखा, क्या अच्छा लगा, दुकाने, खिलौने आदि)

V5Y7Y5

पाँचवा दिन (सहज–3 का पाठ 1 'तोता')

1. शिक्षक सहज 3 की कविता 'तोता' को किसी बच्चे से कविता को पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक एक बार उचित हाव–भाव से कविता को सुनाएँ।
3. बच्चों को स्वयं पढ़कर कविता को हाव–भाव से दोहराने को कहें।
4. शिक्षक बच्चों से चर्चा के माध्यम से उनके पूर्व ज्ञान को सक्रिय करें और कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें, जिनके उत्तर बच्चे कॉपी में लिखेंगे, जैसे–

   क) किस–किस रंग के तोते देखे हैं?

   ख) तोते की मुख्य बातें क्या हैं?

   ग) कविता को उचित हाव–भाव से बिना पढ़े याद करके कल सुनाना।

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

शिक्षक सहज–2 का कोई पाठ लें और बच्चों को 5 प्रश्न के उत्तर लिखने को कहें। जो बच्चे 3 से कम सही उत्तर लिख पाते हैं, उनके साथ लेखन की तीन गतिविधियाँ करें।

1. बोर्ड पर 4–5 वाक्यों वाली कोई कहानी लिखें और उस पर बच्चों से 3 प्रश्न बनवाएँ।
2. अब इन प्रश्नों के उत्तर उन्हें पाठ से खोजने को कहें और फिर उन पर चर्चा करें।
3. अब बच्चों को उन उत्तरों को छोटे–छोटे वाक्यों में लिखने को कहें।

सप्ताह : 2 (सहज–3 पर कार्य)

पहला दिन (सहज–3 का पाठ 1 'तोता')

1. शिक्षक कुछ बच्चों से 'तोता' कविता सुनाने को कहें।
2. बच्चों से चर्चा करें, तुकांत व विलोम शब्द किसे कहते हैं?
3. शिक्षक बच्चों को 'तोता' कविता में आए सभी तुकांत शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।
4. शिक्षक बच्चों को 'तोता' कविता में आए सभी शब्द–विलोम शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।

दूसरा दिन (सहज–3 का पाठ 2 'सर्र, सर्र, सर्र')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'सर्र, सर्र, सर्र' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– बिजली ना होने पर तुम क्या करते हो? बिजली ना होने पर तुम्हें कैसा लगता है? क्यों? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

   (क) रात में बिजली न होने पर क्या–क्या करते हैं?

   (ख) हमें डर लगता है तो क्या करते हैं?

तीसरा दिन (सहज–3 का पाठ 2 'सर्र, सर्र, सर्र')

1. शिक्षक कहानी सर्र, सर्र, सर्र पर चर्चा करें।
2. कहानी के पात्रों व घटना पर चर्चा व प्रश्न बच्चों से पूछें।
3. बच्चों द्वारा अपने शब्दों में कहानी सुनाने को कहें।
4. बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें–

M8I3F6

(क) आवाज़ सुनकर कौन डरा?

(ख) सर्र, सर्र, सर्र की आवाज़ क्यों आ रही थी?

(ग) बिजली कटने पर आपको कैसा लगता है?

(घ) आपको सर्र, सर्र, सर्र की आवाज़ सुनाई देगी तो क्या करेंगे?

चौथा दिन (सहज–3 का पाठ 3 'वाह रे चोर')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'वाह रे चोर' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– चोरी से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए? अपने घर को चोरी से बचाने के लिए हम क्या करते हैं? क्यों? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) तुम्हें खाने में क्या क्या पसंद है उसकी सूची बनाओ।

(ख) ऐसे कौन कौन से लोग हैं जिनसे तुम्हे डर लगता है? और क्यों?

पाँचवा दिन (सहज–3 का पाठ 3 'वाह रे चोर')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'वाह रे चोर' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) चोर बुढ़िया के घर में क्यों घुसे?

(ख) चोर क्यों पकड़े गए?

(ग) आपके घर में चोर आ जाए तो क्या करोगे?

(घ) बढ़िया–बढ़िया पकवान आपके घर पर कब–कब बनते है? पाँच के नाम लिखो।

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

शिक्षक सहज–2 का कोई पाठ लें और बच्चों को 5 प्रश्न के उत्तर लिखने को कहें। जो बच्चे 3 से कम सही उत्तर लिख पाते हैं, उनके साथ लेखन की तीन गतिविधियाँ करें।

1. बोर्ड पर 4–5 वाक्यों वाली कोई कहानी लिखें और उस पर बच्चों से 3 प्रश्न बनवाएँ।
2. अब इन प्रश्नों के उत्तर उन्हें पाठ से खोजने को कहें और फिर उन पर चर्चा करें।
3. अब बच्चों को उन उत्तरों को छोटे–छोटे वाक्यों में लिखने को कहें।

सप्ताह : 3 (सहज–3 पर कार्य)

पहला दिन (सहज–3 का पाठ 4 'भालू की बस')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'भालू की बस' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– सड़क पर कौन कौन से वाहन चलते हैं? तुम किस किस वाहन में सफ़र कर चुके हो? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) सड़क पर चलने वाले वाहनों की सूची बनाओ।

(ख) पाँच जंगली जानवरों के नाम लिखो।

दूसरा दिन (सहज–3 का पाठ 4 'भालू की बस')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'भालू की बस' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) लालबत्ती पर बस क्यों नहीं रुकी?

(ख) आप उस बस में होते तो क्या करते?

(ग) आपको किस वाहन में यात्रा करना अच्छा लगता है और क्यों?

तीसरा दिन (सहज–3 का पाठ 5 'सियार और ऊँट')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'सियार और ऊँट' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– तुम्हारे कौन–कौन से दोस्त हैं? तुम अपने दोस्तों की मदद कैसे करते हो? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) जंगल में पाए जाने वाले जानवरों के नाम लिखकर उनके बारे में लिखो।

(ख) अपने–अपने दोस्तों की सूची बनाओ।

चौथा दिन (सहज–3 का पाठ 5 'सियार और ऊँट')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'सियार और ऊँट' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) सियार ने हूँक क्यों लगाया?

(ख) ऊँट ने सियार से किस प्रकार बदला लिया?

(ग) आपके साथ कुछ गलत होता है तो क्या करते हो?

(घ) ऊँट ने सियार के साथ जो किया, क्या वो सही था? अगर हाँ तो क्यों? और नहीं तो क्यों?

पाँचवा दिन (सहज–3 का पाठ 6 'गाजर और गाय')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'गाजर और गाय' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– क्या तुम्हें पता है गाय से क्या–क्या लाभ होते हैं? गाय से जुड़ा कोई अनुभव साझा करो... इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें– जैसे–

(क) मौसम कितने होते हैं?

(ख) किस मौसम में कोहरा छाया रहता है?

(ग) गाजर से क्या–क्या बनता है?

(घ) गाय का चित्र बनाओ

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

शिक्षक सहज–2 का कोई पाठ लें और बच्चों को 5 प्रश्न के उत्तर लिखने को कहें। जो बच्चे 3 से कम सही उत्तर लिख पाते हैं, उनके साथ लेखन की तीन गतिविधियाँ करें।

1. बोर्ड पर 4–5 वाक्यों वाली कोई कहानी लिखें और उस पर बच्चों से 3 प्रश्न बनवाएँ।
2. अब इन प्रश्नों के उत्तर उन्हें पाठ से खोजने को कहें और फिर उन पर चर्चा करें।
3. अब बच्चों को उन उत्तरों को छोटे–छोटे वाक्यों में लिखने को कहें।

सप्ताह : 4 (सहज–3 पर कार्य)

पहला दिन (सहज–3 का पाठ 6 'गाजर और गाय')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'गाजर और गाय' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) अचानक से कोई काम करने पर क्या परेशानी हो सकती है? लिखो।

(ख) तुम अपने घर वालों के कार्य में कैसे मदद करते हो? लिखो।

(ग) 5 पालतू जानवरों के नाम लिखो साथ मे किसी एक का चित्र भी बनाओ।

दूसरा दिन (सहज–3 का पाठ 7 'गौरैया फुर्र')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'गौरेया फुर्र' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– क्या तुमने सियार को देखा है? वह कैसा दिखता है? इत्यादि
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) जंगल मे रहने वाले 10 जानवरों के नाम लिखो।

(ख) किन्हीं दो जानवरों के चित्र बनाओ और उनके बारे में लिखो।

तीसरा दिन (सहज–3 का पाठ 7 'गौरैया फुर्र')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'गौरैया फुर्र' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) सियार की झूठी तारीफ कौन करती थी और क्यों?

(ख) सियार गुस्से मे क्यों आ गया?

(ग) क्या तुमने कभी किसी की तारीफ की है? किसकी और क्यों?

(घ) यदि तुम गौरैया की जगह होते तो बच्चों को बचाने का और क्या उपाय करते सोचो और लिखो।

चौथा दिन (सहज–3 का पाठ 7 'राजू और काजू')

1. शिक्षक सहज 3 की कविता 'राजू और काजू' को किसी बच्चे से कविता को पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक एक बार उचित हाव–भाव से कविता को सुनाएँ।
3. बच्चों को स्वयं पढ़कर कविता को हाव–भाव से दोहराने को कहें।
4. शिक्षक बच्चों से चर्चा के माध्यम से उनके पूर्व ज्ञान को सक्रिय करें और कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें, जिनके उत्तर बच्चे कॉपी में लिखेंगे, जैसे–

(क) बाजार में किन–किन चीज़ों की दुकान होती हैं?

(ख) कविता में किस त्योहार के संबंध मे बात की गई है? उसके बारे में लिखो।

पाँचवा दिन (सहज–3 का पाठ 7 'राजू और काजू')

1. शिक्षक कुछ बच्चों से कविता 'राजू और काजू' कविता हाव–भाव से सुनाने को कहें।
2. बच्चों से चर्चा करें और तुकांत शब्द की समझ को जाँचें और कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखकर बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

   (क) शिक्षक बच्चों से कविता में आए सभी तुकांत शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।

   (ख) तुम दीपावली कैसे मानते हो? लिखो।

   (ग) तुम्हें राजू पसंद है या काजू? और क्यों?

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

शिक्षक सहज–2 का कोई पाठ लें और बच्चों को 5 प्रश्न के उत्तर लिखने को कहें। जो बच्चे 3 से कम सही उत्तर लिख पाते हैं, उनके साथ लेखन की तीन गतिविधियाँ करें।

1. बोर्ड पर 4–5 वाक्यों वाली कोई कहानी लिखें और उस पर बच्चों से 3 प्रश्न बनवाएँ।
2. अब इन प्रश्नों के उत्तर उन्हें पाठ से खोजने को कहें और फिर उन पर चर्चा करें।
3. अब बच्चों को उन उत्तरों को छोटे–छोटे वाक्यों में लिखने को कहें।

सप्ताह : 5 (सहज–3 पर कार्य)

पहला दिन (सहज–3 का पाठ 8 'पौधों से लगाव')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'पौधों से लगाव' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– क्या तुमने कोई पौधा लगाया है? जब तुम्हारे पौधे में फूल निकलते हैं तो तुम्हें कैसा लगता है? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

   (क) विद्यालय प्रतिदिन क्यों आना चाहिए?

   (ख) आपको क्या करना अच्छा लगता है? और क्यों?

   (ग) 'बचत' से लगाव रखना ज़रूरी है, क्यों?

दूसरा दिन (सहज–3 का पाठ 8 'पौधों से लगाव')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'पौधों से लगाव' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) सबसे ज्यादा 'खुशी' तुम्हें कब मिलती है?

(ख) पौधे लगाने से क्या–क्या लाभ हैं?

(ग) तुम्हारे किस काम से घर वाले खुश होते हैं?

तीसरा दिन (सहज–3 का पाठ 9 'दोस्त का पत्र')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'दोस्त का पत्र' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक पाठ से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– क्या तुमने कभी किसी को पत्र लिखा है? क्या कभी तुम्हारे घर किसीने पत्र भेजा है? पत्र पा कर या पढ़कर कैसा लगता होगा? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके

उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) पत्र क्या होता है?

(ख) यह पत्र किसने लिखा है और किसके लिए लिखा है?

चौथा दिन (सहज–3 का पाठ 9 'दोस्त का पत्र')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'दोस्त का पत्र' पाठ के पत्र को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) अगर आप को 'पत्र' लिखना हो तो किसे लिखोगे?

(ख) पत्र में क्या लिखोगे, वर्णन करो।

(ग) क्या तुम्हे किसी ने कोई पत्र लिखकर दिया है?

(घ) पत्र एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचते हैं?

पाँचवा दिन (सहज–3 का पाठ 11 'आम दिवस')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'आम दिवस' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– विद्यालय में मनाए जाने वाले कौन से दिवस तुम्हें पसंद हैं और क्यों? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) 'सबक सिखाना' क्या होता है?

(ख) योजना से तुम क्या समझते हो?

(ग) 'आम दिवस' पाठ के शीर्षक को यदि बदलना हो, तो क्या नाम रखोगे और क्यों?

(घ) विद्यालय मे मनाए जाने वाले मुख्य दिवसों के नाम लिखो।

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

शिक्षक सहज–2 का कोई पाठ लें और बच्चों को 5 प्रश्न के उत्तर लिखने को कहें। जो बच्चे 3 से कम सही उत्तर लिख पाते हैं, उनके साथ लेखन की तीन गतिविधियाँ करें।

1. बोर्ड पर 4–5 वाक्यों वाली कोई कहानी लिखें और उस पर बच्चों से 3 प्रश्न बनवाएँ।
2. अब इन प्रश्नों के उत्तर उन्हें पाठ से खोजने को कहें और फिर उन पर चर्चा करें।
3. अब बच्चों को उन उत्तरों को छोटे–छोटे वाक्यों में लिखने को कहें।

सप्ताह : 6 (सहज–3 पर कार्य)

पहला दिन (सहज–3 का पाठ 11 'आम दिवस')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'आम दिवस' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) तुम सामान कहाँ से खरीदते हो?

(ख) दुकानदार इतना सारा सामान कहाँ से लाते हैं?

(ग) ईमानदार व बेईमान में से आप किससे दोस्ती करोगे और क्यों?

(घ) 'गलत कार्य करने का गलत परिणाम होता है' इस कथन से संबंधित कोई अनुभव या घटना का वर्णन करो।

दूसरा दिन (सहज–3 का पाठ 12 'गुफ़ा')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'गुफा' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– कौन से जानवर गुफ़ा में रहते हैं? वे गुफ़ा में क्यों रहते हैं? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) गुफा में कौन–कौन से जानवर रहते हैं?

(ख) सियार/सियारिन ने शेर से बचने का क्या उपाय किया?

(ग) शेर अपनी गुफा में जाने के लिए किस जानवर की मदद लेता है?

(घ) क्या आपने कभी किसी समस्या का सामना किया है? वर्णन करो।

तीसरा दिन (सहज–3 का पाठ 12 'गुफ़ा')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'गुफ़ा' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) तुमने किन–किन जंगली जानवरों को देखा है? सूची बनाओ।

(ख) शेर की जगह तुम होते तो, अपनी गुफा वापस पाने के लिए क्या करते?

(ग) शिक्षक बच्चों से रोल/प्ले कराएँ (कक्षा–कक्ष को गुफा बना सकते हैं)

चौथा दिन (सहज–3 का पाठ 13 'नाव की सवारी')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'नाव की सवारी' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक बच्चों से चर्चा के माध्यम से उनके पूर्व ज्ञान को सक्रिय करें और पाठ आधारित चर्चा करें, जैसे– क्या तुम्हें घूमना पसंद है? कहाँ गए हो घुमने? कैसे पहुँचे? क्या देखा? इत्यादि फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें, जिनके उत्तर बच्चे कॉपी में लिखेंगे, जैसे–

(क) दादाजी के साथ कौन–कौन घूमने गया?

(ख) वे लोग कहाँ घुमने गए?

(ग) क्या तुमने नाव देखी है? कैसे चलती है?

(घ) झील किसे कहते हैं?

पाँचवा दिन (सहज–3 का पाठ 13 'नाव की सवारी')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'नाव की सवारी' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) यात्रा किसे कहते हैं?

(ख) तुमने जहाँ की यात्रा की हो उसका वर्णन करो।

(ग) यात्रा करने के क्या–क्या लाभ हैं?

(घ) नाव का चित्र बनाओ और उसके बारे में लिखो

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

शिक्षक सहज–2 का कोई पाठ लें और बच्चों को 5 प्रश्न के उत्तर लिखने को कहें। जो बच्चे 3 से कम सही उत्तर लिख पाते हैं, उनके साथ लेखन की तीन गतिविधियाँ करें।

1. बोर्ड पर 4–5 वाक्यों वाली कोई कहानी लिखें और उस पर बच्चों से 3 प्रश्न बनवाएँ।
2. अब इन प्रश्नों के उत्तर उन्हें पाठ से खोजने को कहें और फिर उन पर चर्चा करें।
3. अब बच्चों को उन उत्तरों को छोटे–छोटे वाक्यों में लिखने को कहें।

सप्ताह : 7 (सहज–3 पर कार्य)

पहला दिन (सहज–3 का पाठ 14 'मेरा गाँव')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'मेरा गाँव' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– तुम्हारे गाँव का क्या नाम है? तुम्हारा गाँव किस जिले में है? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) अपने गाँव और जिले का नाम लिखो

(ख) तुम्हारे गाँव में कौन–कौन सी मुख्य चीजें हैं?

(ग) तुम्हारे गाँव में तुम्हें क्या अच्छा लगता है?

दूसरा दिन (सहज–3 का पाठ 14 'मेरा गाँव')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'मेरा गाँव' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) गाँव और शहर में क्या अंतर है?

(ख) तुम्हें क्या अच्छा लगता है गाँव या शहर? और क्यों?

(ग) अधिकतर लोग गाँव से शहर जाते हैं क्या यह सही बात है अगर हाँ तो क्यों? नहीं तो क्यों? या गाँव पर एक निबंध लिखो।

तीसरा दिन (सहज–3 का पाठ 15 'लोभ')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'लोभ' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक पाठ से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– लोभ से क्या समझते हो? क्या लोभ करना अच्छा है? तुमने किसी को लोभ करते देखा है? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) 'लोभ' का क्या–क्या अर्थ होता है?

(ख) पाठ में लोभी कौन था?

(ग) पवन अपना घर क्यों सजा रहा था?

(घ) घर के अंदर चोर के जाने से समरीक व उसकी पत्नी खुश क्यों हुए?

(ङ) समरीक ने अपना माथा क्यों ठोक लिया?

चौथा दिन (सहज–3 का पाठ 15 'लोभ')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'लोभ' पाठ के पत्र को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) दूसरों की 'नकल' करने से क्या–क्या नुकसान हो सकते हैं?

(ख) क्या समरीक ने जो किया वो सही था? कैसे?

(ग) अगर समरीक की जगह तुम होते तो क्या करते?

पाँचवा दिन (सहज–3 का पाठ 16 'बोलती चुटकी')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'बोलती चुटकी' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– क्या तुम किसी को जानते हो जो चुटकी की तरह बोलता ही रहता हो? क्या वस्तुओं से बात की जा सकती है? इत्यादि।
3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–

(क) चुटकी किस–किस से बात करती थी?

(ख) चुटकी को किसने डाँटा और क्यों?

(ग) चुटकी की आवाज़ वापस कैसे आई?

(घ) तुम्हारे घर में बहुत ज्यादा समय तक कौन बातें करता है?

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

शिक्षक सहज–2 का कोई पाठ लें और बच्चों को 5 प्रश्न के उत्तर लिखने को कहें। जो बच्चे 3 से कम सही उत्तर लिख पाते हैं, उनके साथ लेखन की तीन गतिविधियाँ करें।

1. बोर्ड पर 4–5 वाक्यों वाली कोई कहानी लिखें और उस पर बच्चों से 3 प्रश्न बनवाएँ।
2. अब इन प्रश्नों के उत्तर उन्हें पाठ से खोजने को कहें और फिर उन पर चर्चा करें।
3. अब बच्चों को उन उत्तरों को छोटे–छोटे वाक्यों में लिखने को कहें।

सप्ताह : 8 (सहज–3 पर कार्य)

पहला दिन (सहज–3 का पाठ 16 'बोलती चुटकी')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'बोलती चुटकी' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) जो लोग बोल नहीं पाते हैं वे अपनी बात कैसे दूसरों को बताते होंगे?

(ख) सोचो अगर तुम्हारी आवाज़ चली जाए और कुछ बोल न पाओ तो कैसा लगेगा?

(ग) क्या तुम किसी ऐसे को जानते हो जो बोल नहीं पाता हो? उससे तुम कैसे बात करते हो? उसके बारे में 3 से 4 लाइन लिखो

दूसरा दिन (सहज–3 का पाठ 17 'लायक कौन')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'लायक कौन' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें, जैसे– क्या तुम किसी को बहस करते सुना है? लायक शब्द से तुम्हें क्या समझ आता है? इत्यादि।

3. शिक्षक द्वारा की गयी चर्चा या कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बोर्ड पर लिखें और बच्चों को उसके उत्तर कॉपी में लिखने को कहें–
   (क) बहस कौन कर रहा था?
   (ख) लायक से तुम क्या समझते हो?
   (ग) पाठ में कौन लायक था? और कैसे?
   (घ) कभी किसी ने तुम्हें लायक कहा है? तुम्हें कैसा लगा था?

तीसरा दिन (सहज–3 का पाठ 17 'लायक कौन')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'लायक कौन' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर बच्चों से पाठ पर आधारित रोल/प्ले करने को कहें।

(क) चार बच्चों को लोमड़ी, कुत्ता, भालू और खरगोश पात्रों के संवाद बोलने हेतु तैयार करें।
(ख) कक्षा–कक्ष में अभिनय कराएँ, अन्य बच्चे देखें और आनंद लें।
(ग) पाठ से मिली शिक्षा को अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

चौथा दिन (सहज–3 का पाठ 18 'शेर और खरगोश')

1. शिक्षक कुछ बच्चों को कहानी सहज से 'शेर और खरगोश' ऊँची आवाज़ में पढ़ने को कहें।
2. शिक्षक बच्चों से चर्चा के माध्यम से उनके पूर्व ज्ञान को सक्रिय करें और पाठ आधारित चर्चा करें, जैसे– अब तक हमने कौन कौन सी कहानियाँ पढ़ी हैं जिसमे जंगल और उसके जानवर की कहानी दी गयी है? शेर को जंगल का राजा क्यों कहा जाता होगा? इत्यादि फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें, जिनके उत्तर बच्चे कॉपी में लिखेंगे, जैसे–
   (क) जंगल किसे कहते हैं?
   (ख) जंगल में कौन–कौन रहता है?
   (ग) 'फैसला लेना' से क्या समझते हो?
   (घ) 'भूख मिटाना' का क्या तात्पर्य है?

पाँचवा दिन (सहज–3 का पाठ 18 'शेर और खरगोश')

नोट : शिक्षक बच्चों की रोचकता बढ़ाते हुए 'शेर और खरगोश' कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें, फिर कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें और उनके उत्तर बच्चों को कॉपी में लिखने को कहें, जैसे–

(क) जंगल के सभी जानवर क्यों डरे हुए थे?
(ख) खरगोश ने कैसे सभी जानवरों की जान बचाई?
(ग) इस कहानी से क्या सीख मिली?

शिक्षक कहानी पर आधारित रोल/प्ले कक्षा में करवाएँ।

छठा दिन (आकलन एवं पुनरावृत्ति)

शिक्षक सहज–2 का कोई पाठ लें और बच्चों को 5 प्रश्न के उत्तर लिखने को कहें। जो बच्चे 3 से कम सही उत्तर लिख पाते हैं, उनके साथ लेखन की तीन गतिविधियाँ करें।

1 बोर्ड पर 4–5 वाक्यों वाली कोई कहानी लिखें और उस पर बच्चों से 3 प्रश्न बनवाएँ।
2 अब इन प्रश्नों के उत्तर उन्हें पाठ से खोजने को कहें और फिर उन पर चर्चा करें।
3 अब बच्चों को उन उत्तरों को छोटे–छोटे वाक्यों में लिखने को कहें।

14. पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षण प्रक्रिया (कालांश–2)

पाठ आधारित शिक्षण रणनीतियाँ:

कलरव (कक्षा 4 व 5) पर शिक्षण कार्य करने के लिए कुछ उदहारण नीचे दिए जा रहे हैं, जो यह समझने में सहायक होंगे की विशेष प्रकार की विधा वाले पाठ पर किस प्रकार कार्य किया जा सकता है। यह ध्यान रखें की नीचे दिया जा रहा विवरण एवं कार्य करने की रणनीति का एक उदहारण हैं, शिक्षक अपने विवेक से दिवस या गतिविधियों को जोड़ व घटा सकते हैं।

सभी पाठों को ध्यान में रखकर मुख्यतः दो प्रकार की शिक्षण रणनीतियाँ तय कर सकते हैं–

गद्य (कहानी/ चित्रकथा/पत्र संवाद)

पद्य (कविता)

गद्य (कहानी, चित्रकथा, पत्र, संवाद) पर कार्य–

गद्य संबंधित पाठ पर शिक्षण में शिक्षक आदर्श वाचन, कठिन शब्दों पर कार्य, पाठ पर आधारित चर्चा (शीर्षक पर चर्चा, कहानी का अनुमान लगाना– पाठ पढ़ने से पहले व मध्य में), मौखिक सवाल–जवाब, समूह में मार्गदर्शन पठन, सरल अभ्यास कार्य, स्वतंत्र पठन, उच्च स्तरीय अभ्यास एवं मूल अवधारणा पर बातचीत आधारित कार्य किए जाएँगे। पत्र, संवाद या चित्रकथा को समझाने के लिए शिक्षकों को उदाहरण सहित बच्चों को समझाएँ। अभ्यास के रूप में बच्चों से कुछ पत्र या चित्रकथा का निर्माण भी कराया जा सकेगा। गद्य संबंधित पाठ पर निम्न प्रकार से कार्य किया जाएगा–

पहला दिन	बच्चे स्वयं अपने स्तर पर पाठ के चित्रों को देखकर कहानी का अनुमान लगाने का कार्य करेंगे। पाठ में दिए गए चित्रों की मदद से पाठ को समझने की कोशिश करेंगे। बच्चों द्वारा पाठ को सरसरी तौर पर देख लेने के बाद शिक्षक बच्चों से थोड़ी बातचीत करेंगे कि उन्हें पाठ के बारे में क्या कुछ समझ आया? आगे शिक्षक पाठ को आदर्श वाचन रूप में पढ़कर सुनाएँगे। पढ़ने के दौरान कठिन और नए शब्दों पर पर बातचीत भी की जाती रहेगी। पाठ पढ़ लेने के बाद उस पर सामान्य चर्चा/बातचीत की जाएगी, कुछ मौखिक सवाल किए जाएँगे और पाठ में आए कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखकर उनका अर्थ समझाया जाएगा। अंत में बच्चे कठिन शब्दों को अपनी कॉपी में लिखेंगे।

दूसरा दिन	बच्चे उपसमूहों में पाठ को पढ़ने का काम करेंगे। शिक्षक एक–एक करके समूह में जाकर देखेंगे कि किन बच्चों को पढ़ने में मार्गदर्शन की ज़रूरत है। जिन बच्चों को पढ़ने और समझने में थोड़ी समस्या आ रही होगी, शिक्षक उन बच्चों की अधिक मदद करेंगे। अंत में पाठ से जुड़ा सरल अभ्यास कार्य करवाया जाएगा। अभ्यास कार्य में शब्दों के अर्थ, कथानक से जुड़े सवाल, एक वाक्य तक के जवाब वाले प्रश्न और सामान्य व्याकरण से जुड़े सवाल करवाए जाएँगे।
तीसरा दिन	बच्चे स्वतंत्र रूप से पाठ को पढ़ने का कार्य करेंगे। एक, दो बच्चों से ऊँची आवाज़ में पाठ पढ़वाया जाएगा। पाठ पढ़ने के बाद शिक्षक मौखिक सवाल करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी बच्चे पाठ को ठीक से समझ गए हैं। कुछ सवाल शिक्षक बोर्ड पर लिखेंगे, बच्चे इन प्रश्नों के जवाब बोर्ड पर लिखकर ही देंगे।
चौथा दिन	चौथे दिन शिक्षक द्वारा बच्चों से कथानक और कहानी से जुड़े पात्रों से जुड़े उनके अनुभव पूछे जाएँगे। पाठ की कहानी को बच्चों से उनके शब्दों में सुना जाएगा। पाठ से मिलती जुलती और इन्हीं पात्रों की कोई कहानी उन्हें याद होगी तो उसे सुना जाएगा। अंत में कल्पना करने, तुलना करने, विश्लेषण करने और अपना मत बनाने वाले अभ्यास और प्रश्न करने को दिए जाएँगे।

पद्य (कविताओं) पर कार्य–

बच्चे गीत कविताओं को पिछली कक्षाओं से ही काफी सुनते और गाते रहे हैं, इसलिए यह विधा उनके लिए नई नहीं है। हालाँकि लेखन शैली के तौर पर इसके गठन और प्रस्तुतिकरण को समझने की शुरुआत करना बहुत ही आवश्यक है। कविताओं पर भी अधिकांश काम गद्य (कहानी) की तरह ही होंगे पर कविता रचना, कविता को आगे बढ़ाना और पंक्तियों एवं पूरी कविता के भाव को समझना आदि काम गद्य से अलग हैं। इसलिए विविध उदाहरणों और अभ्यासों के द्वारा इस पर विशेष कार्य किया जाएगा। खासतौर से पद्य शैली में किसी बात को कैसे कहा जाता है इसको समझने की शुरुआत की जाएगी।

पहला दिन	• बच्चों को पाठ्यपुस्तक में दी गई कविता के चित्रों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कविता स्वयं पढ़कर समझने को कहें। • शिक्षक बच्चों से (शीर्षक, कथानक और लेखक आदि के बारे में) बातचीत करें कि उन्हें कविता के बारे में क्या–क्या समझ आया। • अब शिक्षक कविता को दो बार हाव–भाव के साथ आदर्श वाचन रूप में पढ़कर सुनाएँ। (पढ़ने के दौरान आए कठिन और नए शब्द पर पर बातचीत भी की जाए तथा उन्हें बोर्ड पर लिखकर उनका अर्थ समझाया जाए) • पठन के बाद शिक्षक बच्चों से कथानक से जुड़े कुछ मौखिक सवाल पूछेंगे और फिर शिक्षक बच्चों से कठिन शब्दों को कॉपी में लिखने को कहेंगे।

दूसरा दिन	• बच्चे उपसमूहों में कविता को स्वयं पढ़ेंगे, शिक्षक एक–एक करके समूह में जाकर देखेंगे कि किन बच्चों को पढ़ने में मार्गदर्शन की ज़रूरत है और आवश्यकता अनुसार मार्गदर्शन करेंगे। • शिक्षक बच्चों से पाठ से जुड़ा सरल अभ्यास करने को कहेंगे। • बच्चों द्वारा लिखे गए कठिन शब्द व अर्थ को पढ़ने व समझने के लिए कहा जाएगा, शिक्षक समझ जाँचने के लिए मौखिक सवाल पूछ सकते हैं।
तीसरा दिन	• शिक्षक बच्चों को स्वतंत्र रूप से कविता पढ़ने के लिए कहेंगे। • कुछ समय पश्चात शिक्षक एक या दो बच्चों से कविता को ऊँची आवाज़ में हाव–भाव के साथ पढ़ने व अन्य बच्चों को साथ–साथ अपनी पुस्तक में ऊँगली रखते हुए पढ़ने को कहेंगे। • शिक्षक मौखिक रूप से कुछ समझ की जाँच आधारित प्रश्नों को पूछेंगे। • शिक्षक कुछ प्रश्नों को बोर्ड पर लिखेंगे और उनके जवाब बच्चों को सामने बुलाकर बोर्ड पर ही लिखने को कहेंगे।
चौथा दिन	• शिक्षक बच्चों को कविता को अपने शब्दों में सुनाने का अवसर दें। • शिक्षक कविता के पात्रों से जुड़े बच्चों के अनुभव पर चर्चा कर करेंगे। • शिक्षक कविता के आधार पर बच्चों को अनुमान लगाने को कहें। • अब शिक्षक कविता के उच्चस्तरीय अभ्यास को हल करने के लिए कहेंगे। • शिक्षक बच्चों को कविता पर आधारित रचनात्मक अभ्यास गृहकार्य के रूप में दे सकते हैं, जिसे बच्चे अगले दिन उस कार्य को कक्षा में चस्पां कर सकते हैं।

नोट : कक्षा–4 और 5 के पाठ्यक्रम के अनुसार द्वितीय कालांश में शिक्षण कार्य करें। साप्ताहिक तौर पर पाठ्यक्रम का विभाजन कैसे हो, यह आप बच्चों के स्तर के अनुसार तय कर सकते हैं। चूँकि पहले कालांश में बच्चों के डिकोडिंग और पठन कौशल पर जोर हैं, आप द्वितीय कालांश में मौखिक समझ विकसित करने, बड़े पाठों को पढ़ने और समझने एवं लेखन से जुड़े कार्य पर अधिक ध्यान दें। जो बच्चे अभी स्तर–1 पर हैं, उन्हें पाठ्यपुस्तक पर कार्य के दौरान मौखिक चर्चा, शब्द और वाक्य स्तर की गतिविधियों में व्यस्त करें।

एंडलाइन आकलन

बेसलाइन की प्रक्रिया को अपनाते हुए सभी बच्चों का एंडलाइन आकलन करें।

स्तर 2 स्कोर कार्ड एंडलाइन (शिक्षक हेतु आकलन के दौरान उपयोग करने हेतु)

क्रम	बच्चे का नाम	कक्षा	रोहित	के	घर	के	सामने	एक	बगीचा	था।	उसमें	कई	पेड़	लगे	थे।	रोहित	रोज	बगीचे	में	खेलने	जाता	था।	उसके	दोस्त	भी	खेलने	आते	थे।	वे	फुटबॉल	खेलते	थे।	सही पढ़े गए शब्दों के अंकों का योग	वाक्य पठन स्तर ✓/x
1																																		
2																																		
3																																		
4																																		
5																																		
6																																		
7																																		
8																																		
9																																		
10																																		
11																																		
12																																		
13																																		
14																																		
15																																		
16																																		
17																																		
18																																		
19																																		
20																																		

एंडलाइन आकलन

बेसलाइन की प्रक्रिया को अपनाते हुए सभी बच्चों का एंडलाइन आकलन करें।

स्तर 2 स्कोर कार्ड एंडलाइन (शिक्षक हेतु आकलन के दौरान उपयोग करने हेतु)

क्रम	बच्चे का नाम	कक्षा	रोहित	के	घर	के	सामने	एक	बगीचा	था।	उसमें	कई	पेड़	लगे	थे।	रोहित	रोज	बगीचे	में	खेलने	जाता	था।	उसके	दोस्त	भी	खेलने	आते	थे।	वे	फुटबॉल	खेलते	थे।	सही पढ़े गए शब्दों के अंकों का योग	वाक्य पठन स्तर ✓/✗
21																																		
22																																		
23																																		
24																																		
25																																		
26																																		
27																																		
28																																		
29																																		
30																																		
31																																		
32																																		
33																																		
34																																		
35																																		
36																																		
37																																		
38																																		
39																																		
40																																		

यहाँ से फाड़ें

यह मदन की साइकिल है।

पठन कार्ड

रोहित के घर के सामने एक बगीचा था। उसमें कई पेड़ लगे थे। रोहित रोज बगीचे में खेलने जाता था। उसके दोस्त भी खेलने आते थे। वे फुटबॉल खेलते थे।

यहाँ से फाड़ें

यह मदन की साइकिल है।

पठन कार्ड

रोहित के घर के सामने एक बगीचा था। उसमें कई पेड़ लगे थे। रोहित रोज बगीचे में खेलने जाता था। उसके दोस्त भी खेलने आते थे। वे फुटबॉल खेलते थे।